साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 7 अप्रैल से 13 अप्रैल 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 05 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com

पेज 04 में...
आस्था का महासागर...

पेज 12 में...
कम नहीं होना चाहिए...

पेज 07 हीरो से विलेन बने 'धोनी'

लोक सेवा का 'गौरव' हैं रायपुर कलेक्टर गौरव

पीएम एक्सीलेंस अवार्ड सहित चार नेशनल अवार्ड से सम्मानित हैं रायपुर कलेक्टर, रायपुर पहला जिला जहां जनदर्शन सप्ताह में 5 दिन

रायपुर कलेक्टर में जन समस्या निवारण कॉल सेंटर, कलेक्टर स्वयं करते है मॉनिटरिंग

प्रदीप चंद्रवंशी
मुख्य संवाददाता
मो. 7000681023

शहर सत्ता/रायपुर। मुहावरों और कहावतों में तंज कसने वाली लाइन होती है...'तू क्या कहीं का कलेक्टर है?' जी हां यह पद सीधे तौर पर हर एक उस शहरी और ग्रामीण शख्स के लिए खास है जो सिस्टम से परेशान है। हालांकि आमतौर पर कलेक्टर आते हैं और जनसमस्या को भूल अपनी रवानगी कहीं नई और बड़ी जगह होने की बाट जोहते ही चल देते हैं। लेकिन छोटे से छोटे जिलों से लेकर राजधानी रायपुर की कलेक्टरी तक का सफर तय करने वाले अब तक दर्जनों आईएएस में गौरव सिंह ने प्रशासनिक कार्यकुशलता की नजीरें पेश की हैं। कमोबेश रायपुर जैसे सुबाई-शहरी निजाम सम्हालने वाले कई पहलवान टाइप आये और भुला दिए गए। लेकिन साधारण कदकाठी के असाधारण प्रशासनिक सूरमा कलेक्टर गौरव सिंह ने महज 14 महीने के कार्यकाल में 40 ऐसे कार्य किये कि प्रदेश के बेस्ट आईएएस अफसरों में उनकी गिनती होने लगी है। कलेक्टर सिंह के खाते में एक ख्याति और है जो बिरले नौकरशाहों के नाम है। वह है, सबसे कम छुट्टियां लेने और सर्वाधिक देर तक कार्यालयीन अवधी में कार्य करने का। जनसंवाद से लेकर कलेक्टर जनदर्शन की सफलता के बाद शहरी समस्याओं को दूर करने का ब्ल्यू प्रिंट भी रायपुर कलेक्टर के पास तैयार है। महज 14 महीने के कार्यकाल में जनहितकारी योजनाओं से लेकर, विधानसभा, लोकसभा, रायपुर दक्षिण उपचुनाव और निकाय चुनावों के शांतिपूर्ण परिणामों से साफ हो गया है कि रायपुर कलेक्टरी का गौरव हैं गौरव सिंह।

तपती दोपहर में भी निकल पड़ते हैं गांव, खेत और सरकारी योजना का जायजा लेने

सरकारी कर्मचारियों को सिखाया टाइम मैनेजमेंट

कलेक्टर गौरव सिंह ने शासकीय विभागों में तय समय पर शासकीय कार्यों के बेहतरीन निपटान और आम जनता को होने वाली परेशानी से निजात दिलाने वाला फरमान जारी कर लेटलतीफ, लापरवाह कर्मचारियों को भी सुधार दिया। कार्य क्षेत्र में वर्किंग कल्चर बढ़ने और निर्धारित कार्यालयीन समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक उपस्थिति भी मॉनिटरिंग कर दुरुस्त किया है। इसलिए तो कलेक्टर गौरव के सभी निर्देश मातहत हाथ बांधकर और सावधान की मुद्रा में सुनते हैं। जिन्होंने मनमानी की और टाइम पर ऑफिस नहीं आए तो तो उनकी सैलेरी भी कटी।

गौरव के प्रयासों से यूथ को स्टार्टअप का मिला मौका

स्टार्टअप के लिए एक आफिस, फर्नीचर, एक अच्छा लोकेशन, कंप्यूटर, वाईफाई चाहिए, लेकिन इतने सब कुछ के लिए ही जो बजट लगता है वो बहुत से युवा उद्यमियों के बस की बात नहीं होती। को-वर्किंग एंड इनोवेशन सेंटर के रूप में यही आफिस स्पेस उन्हें उपलब्ध करा रहे हैं। 48 लाख रुपए की लागत से जयस्तंभ चौक के मल्टीलेवल पार्किंग सेंटर में आरंभ स्टार्टअप को-वर्किंग सेंटर तथा एक करोड़ रुपए की लागत से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में इनोवेशन सेंटर तैयार किया गया है। यहां स्टार्टअप उद्यमियों को काम करने के लिए आफिस मिल जाएगा। साथ ही प्राइवेट कैबिन, कंप्यूटर मिल जाएंगे और फर्नीचर उपलब्ध होगा, कैफेटेरिया होगा। प्रेजेंटेशन के लिए आडिटोरियम मिलेगा।

- **तीन महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्यों को पूरी पारदर्शिता और सख्ती से कराया पूर्ण**
- **सिर्फ 14 महीने के कार्यकाल में पेश की 14 मिसालें**
- **सूरजपुर से लेकर रायपुर तक कलेक्टर का जनसंवाद बना नजीर**
- **छुट्टी के दिन भी किया काम, 14 महीने में 500 घंटे का वर्किंग रिकार्ड**
- **कलेक्टर की जिम्मेदारी के साथ नगर निगम प्रशासक की निभाई जिम्मेदारी**
- **महिला समूहों को रोजगार देने के लिए गवर्नमेंट फैक्ट्री खोली**
- **राजपत्रित अधिकारी की पांचों दिन तैनाती**

न्योता भोज; पेट भी भरा और दिल भी

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह अपने जन्मदिन पर स्कूली बच्चों के साथ समय बिताया। उनके साथ भोजन किया। उन्होंने अपने जन्मदिन के अवसर पर शासकीय नवीन प्राथमिक शाला धरमपुरा के स्कूली बच्चों को न्योता भोज दिया। कलेक्टर अपने सपरिवार समेत स्कूल पहुंचे। वे बच्चों के बीच पहुंचे और उन्हे बैठकर थाली लगाई। उसके बाद पूडी, सब्जी, दाल, चावल और खीर परोसा। इसके बाद यह परंपरा सी बन गई और न्योता भोज आज भी शुरू है।

कच्चे घर की पीड़ा, पक्के मकान की मुस्कान में तब्दील

अब रायपुर जिले के धरसींवा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत निलजा में छप्पर वाले कच्चे मकान से पक्के छत में पूरे परिवार को देखकर संतोषी डहरिया खुश हो रही है। वह अपने पूरे परिवार सहित पक्के मकान में निवासरत है। श्री गोपी डहरिया की पत्नी संतोषी डहरिया ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से गैस कनेक्शन का लाभ मिला है। साथ ही बताया कि वह राष्ट्रीय आजीविका मिशन के समूह में जुड़कर अपना जीवन बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे है।

मतदाता जागरूकता के लिए उठाया ऐतिहासिक कदम

मल्टीलेवल पार्किंग की छत पर बरसते पानी में अधिकारी व कर्मचारियों को एक साथ मतदान करने की शपथ कलेक्टर सिंह ने दिलाई थी। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह को शांतिपूर्ण चुनाव निपटाने पर सराहना भी मिली और पुरुस्कृत भी किया गया। रायपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के पहल पर लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदाता जागरूकता अभियान में इतिहास रच दिया। एक ही दिन में 29 विभाग और संस्थान के 7 लाख 1 हजार 891 लोगों ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली।

हितकारी फैसले

- कलेक्टर ने सिर्फ जनता ही नहीं प्रत्येक शुक्रवार को कर्मचारियों की बैठक लेकर उनकी भी समस्याएं दूर करने व्यवस्था दी।
- कर्मचारियों को दुपहिया वाहन में ऑफिस हेलमेट पहनकर और कार से आने वालों को सीट बेल्ट बांधकर आने का आदेश।
- 14 महीने में रायपुर के सभी जिला अस्पताल और चिकित्सा केंद्रों की 40 दफे लिए जायजा, सुधरी व्यवस्था।
- बतौर कलेक्टर कर्मचारियों, जनता और जरूरतमंदों से छत्तीसगढ़ में जनसंवाद अभियान की शुरुआत सूरजपुर जिले से की।
- शासकीय दफ्तरों में बेतरतीब फाइलों और गंदगी के खिलाफ छेड़ा अभियान कार्यालय में साफ-सफाई का विशेष ध्यान से चमका कार्यालय
- सरकारी कर्मचारियों की कार्यावधि में पहचान के लिए दिया कर्मचारियों की टेबल पर नेम प्लेट लगाने का निर्देश।
- लोकसभा चुनाव, उपचुनाव और नगर निगम और पंचायत चुनाव निपटाए, कलेक्टर की पाती बांटी मतदान जागरूकता के लिए के गए घर घर
- ट्राफिक व्यवस्था सुधारने के लिए प्रहरी अभियान की शुरुआत की शास्त्री चौक में नो ऑटो जोन का दिया निर्देश।
- रायपुर में इनोवेट स्टार्टअप को-वर्किंग सेंटर तथा एक करोड़ रुपए की लागत से अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में इनोवेशन सेंटर बनवाया
- जमीनी स्तर के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के साप्ताहिक ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर कार्यक्रम की होती है सराहना।
- कलेक्टोरेट परिसर में कर्मचारियों के समय पर दफ्तर पहुंचे और बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम पर उपस्थिति दर्ज का फैसला।
- पालनार को कैशलेश विलेज बनाया, नक्सली ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास बनवाएं।

उड़ान कार्यक्रम से सिखाये सफलता के गुर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में रायपुर के स्कूलों में उड़ान कार्यक्रम की शुरुआत की गई। खुद कलेक्टर ने स्कूल के विद्यार्थियों को सफलता के मूलमंत्र, बताते हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारत कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इसके लिए पदचिन्ह तय करने की जरूरत है। हर विद्यार्थियों को अपने लिए पढ़ाई करनी चाहिए। इससे माता-पिता की पहचान बनने के साथ गांव, परिवार का नाम रौशन होता है। श्री सिंह ने बताया उन्होंने लक्ष्य सोचा था उसके लिए मेहनत की और यूपीएससी पास कर आईएएस बनकर गांव लौटा तो पूरा गांव गौरवान्वित हो उठा।

कलेक्टर गौरव की देन कला केंद्र

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में नालंदा परिसर स्थित कला केंद्र आकार लेने लगा हैं। कला केंद्र का तेजी से निर्माण श्री सिंह के निर्देशन में अंतिम दौर पर पहुंचा। इस केंद्र में बच्चे और युवाओं को विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा और जिससे वे हुनरमंद बन सकेंगे। कला केंद्र का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर किया जाएगा और प्रशिक्षर्थियों के लिए पंजीयन की भी सुविधा होगी। केंद्र में छोटे बच्चों से लेकर युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर की हुई सराहना

ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ब्रेकफास्ट के साथ चर्चा को खूब सराहना मिली। कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के साप्ताहिक ब्रेकफास्ट विथ कलेक्टर में आज आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को ब्रेकफास्ट करने का अवसर मिला। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आत्मीयता के साथ सभी कर्मचारियों से पहले परिचय प्राप्त किया और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिवार के बारे में भी हाल-चाल जाना।

यूपी के बेटे ने किया अपना जीवन छत्तीसगढ़ के नाम

गौरव सिंह छत्तीसगढ़ कैडर के 2013 बैच के आईएएस है। वे उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के रहने वाले हैं। शिक्षक पिता की संतान गौरव सिंह ने पूरी स्कूलिंग हिंदी माध्यम से की फिर एनआईटी व आईआईटी से ग्रेजुएशन के बाद पीएचडी भी की। हिंदी माध्यम से यूपीएससी निकाल कर आईएएस बने और छत्तीसगढ़ कैडर में महत्वपूर्ण पोस्टिंग्स में रहें।

जन्म और परिवार:–

जन्म 1 जनवरी 1984 को हुआ है। आईएएस गौरव सिंह उत्तरप्रदेश राज्य के हरदोई जिले के देवमनपुर गांव के रहने वाले है। उनके पिता गांव से ही लगभग दस किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक गांव के इंटर कॉलेज में अध्यापक थे। माता भी उच्च शिक्षित हैं। वे गृहणी हैं। चार बहन व तीन भाई है। गौरव सिंह सबसे छोटे है। एक भाई कोरोना में स्वर्गवासी हो गए।

शिक्षा:–

सरस्वती शिशु मंदिर गौसगंज से पांचवी तक पढ़ाई की। गौरव सिंह ने अपनी सारी पढ़ाई हिंदी माध्यम से की है। यूपीएससी भी हिंदी माध्यम से दिलाई थी। पिता राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित शिक्षक है। बारहवीं कक्षा गणित, भौतिकी, व रसायन विषयों के साथ उत्तीर्ण की। फिर उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर एनआईटी से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन ब्रांच से बीटेक किया। बीटेक के बाद गेट निकाल कर दिल्ली आईआईटी से एमटेक किया। जर्मनी की प्रतिष्ठित कंपनी की फेलोशिप भी मिली। एमटेक के बाद पीएचडी भी पूरी की। फिर यूपीएससी की तैयारी शुरू की।

प्रोफेशनल कैरियर

फील्ड पोस्टिंग के लिए सहायक कलेक्टर के रूप में रायगढ़ पोस्टिंग मिली। रायगढ़ के बाद महासमुंद जिले के सरायपाली में एसडीएम रहें। फिर दंतेवाड़ा जिला पंचायत सीईओ रहें। दंतेवाड़ा में जिला पंचायत में करीबन ढ़ाई साल सीईओ रहने के दौरान शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार पर्यटन को लेकर काफी काम किया। महिला समूहों को रोजगार देने के लिए गवर्नमेंट फैक्ट्री खोली। नक्सल इलाके के बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने प्रदेश का पहला बीपीओ कॉल सेंटर खोला। पालनार को कैशलेश विलेज बनाया। नक्सली ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास बनवाएं। नक्सल प्रभावित जिले में बेहतर काम के चलते गौरव सिंह को पीएम एक्सीलेंस अवार्ड सहित चार नेशनल अवार्ड भी मिले। दंतेवाड़ा के बाद गौरव सिंह धमतरी, दुर्ग,रायपुर जिला पंचायत सीईओ भी रहें। सूरजपुर,मुंगेली, बालोद, जिले के कलेक्टर रहें। मुंगेली में 2 माह के छोटे कार्यकाल में ही 100 ग्रामों में चौपाल लगा जनता की समस्या सुलझाई। वर्तमान में गौरव सिंह राजधानी रायपुर के कलेक्टर हैं।

यूपीएससी में सलेक्शन:–

हिंदी माध्यम से यूपीएससी दिलाई। मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय हिंदी साहित्य था। हिंदी साहित्य विषय की पढ़ाई गौरव सिंह ने मात्र लगभग 35 दिन में की। तीसरे प्रयास में यूपीएससी में सलेक्शन हुआ और वो आईएएस बने। 2012 में यूपीएससी में हिंदी साहित्य विषय में देश में सर्वाधिक नंबर प्राप्त किए थे।

जिला अध्यक्ष होते हुए रेडकोस सोसायटी में सबसे ज्यादा करीब 300 मेंबर बनाये और खुद भी 25 हजार जमा कर आजीवन सदस्य बने, 25 साल में जिले में सबसे कम मेंबर थे सिर्फ 40 से 50

महादेव सट्टा एप : सट्टा एप पर हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

'लोग मेहनत से नहीं, शॉर्टकट से पैसा कमाना चाहते हैं'

रायपुर (शहर सत्ता)। छत्तीसगढ़ सहित देशभर में तेजी से फैल रहे सट्टा एप्स को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार को हलफनामा पेश कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद वर्मा की युगलपीठ ने सुनील नामदेव द्वारा दायर जनहित याचिका सुनवाई के दौरान गृह विभाग के सचिव, राज्य शासन और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। इसमें राज्य में संचालित विभिन्न ऑनलाइन बेटिंग एप्स की वैधता और उन पर की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य शासन ने भले ही ऑनलाइन सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाया हो, परंतु कई एप्स आज भी खुलेआम चल रहे हैं, विशेषकर आईपीएल जैसे आयोजनों के दौरान इनका प्रचलन और अधिक बढ़ जाता है।

जनहित याचिका में यह भी मांग की गई है कि ऐसे एप्स की निगरानी के लिए एक स्थायी तंत्र गठित किया जाए ताकि भविष्य में युवाओं को इस अवैध गतिविधि से बचाया जा सके। सुनवाई के दौरान एक ऐसे बेटिंग एप को भी पक्षकार बनाया गया है, जो फिलहाल राज्य में सक्रिय रूप से संचालित किया जा रहा है। कोर्ट ने इस एप के संचालन और कानूनी स्थिति पर भी जवाब तलब किया है।

- बिलासपुर हाईकोर्ट ने सट्टा एप्स पर बैन लगाने राज्य और केंद्र सरकार को दिया निर्देश
- राज्य शासन से शपथ पत्र में मांगा जवाब, केंद्र सरकार को भी जारी हुआ नोटिस
- अगली सुनवाई 6 मई को निर्धारित की गई

याचिका में क्या ?

दरअसल याचिकाकर्ता सुनील नामदेव ने अधिवक्ता अमृतो दास के माध्यम से एक जनहित याचिका लगाई। राज्य की ओर से उपस्थित महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत और उप महाधिवक्ता शशांक ठाकुर और अधिवक्ता तुषार धर दीवान ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अमृतो दास ने कोर्ट ने जानकारी प्रस्तुत किया कि छत्तीसगढ़ राज्य ऑनलाइन सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाता है और पैरा 8.6 में बताए अनुसार प्रतिवादी कंपनियां छत्तीसगढ़ राज्य में लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहे हैं और उन्होंने कुछ दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिनमें हाल ही में चल रहे आईपीएल के संबंध में कुछ विज्ञापन शामिल हैं। इस मामले को संज्ञान लेते हुए बेंच ने निर्देश दिया कि इस मसले में न्यायालय की रजिस्ट्री में दाखिल किया जाए और अभिलेख पर लाया जाए। वहीं इसकी प्रति राज्य अधिवक्ता को भी दी जाए, जो इसका उत्तर भी दे सकते हैं। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने के लिए 24 घंटे का समय मांगा है। इसके अलावा चीफ जस्टिस की बेंच ने छत्तीसगढ़ राज्य के गृह विभाग के सचिव को मामले में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है, साथ ही प्रतिवादी को नियमानुसार प्रक्रिया शुल्क का भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया जाने सहित राज्य अधिवक्ता को यह भी निर्देश दिया है कि वे उन्हें वर्तमान याचिका के लंबित रहने की सूचना दें।

कोर्ट के निर्देश के प्रमुख बिंदु

राज्य और केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने के निर्देश: कोर्ट ने दोनों सरकारों से कहा है कि ऐसे सट्टा एप्स की पहचान की जाए और उन पर जल्द से जल्द प्रतिबंध लगाया जाए। युवाओं के भविष्य की चिंता: कोर्ट ने यह भी कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां समाज के लिए हानिकारक हैं और विशेष रूप से युवाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं। डिजिटल जुए पर नियंत्रण की आवश्यकता: कोर्ट ने यह माना कि ऑनलाइन जुए की पहुँच आसान हो गई है, जिससे इसकी लत लगने का खतरा और बढ़ गया है। यह फैसला इंटरनेट आधारित गैरकानूनी गतिविधियों पर नियंत्रण लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। अब देखना होगा कि राज्य और केंद्र सरकार इस निर्देश पर कितनी तेजी से कार्रवाई करती हैं। अगर चाहो तो मैं इस खबर का छोटा-सा समाचार लेख या प्रेस नोट भी तैयार कर सकता हूँ।

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों का बढ़ा आंकड़ा

तीन महीने में 1,800 लोगों की मौत

रायपुर। प्रदेशभर में ट्रैफिक नियमों को लेकर सख्ती बरती जा रही है। चालान और जुर्माने की कार्रवाई भी तेजी से हो रही है, लेकिन इसके बावजूद सड़क हादसों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। जनवरी से मार्च 2025 के बीच 3,600 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,800 लोगों की मौत हुई और 3,300 लोग घायल हुए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि प्रदेश में हर दिन औसतन 48 सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें 24 लोगों की जान जा रही है और 44 लोग घायल हो रहे हैं।

रायपुर में सबसे अधिक हादसे

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, रायपुर जिले में सबसे अधिक 490 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। वहीं नारायणपुर जिले में केवल 10 हादसे हुए। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर प्रदेशभर में 1.5 लाख वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई और करीब 7 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। रायपुर जिले में ही 26,000 से अधिक चालकों से 2 करोड़ रुपये की वसूली की गई। दुर्ग में 23,000 लोगों से 60 लाख, बिलासपुर में 18,000 चालकों से 53,000 रुपये, और नारायणपुर में 400 से 40,000 रुपये का चालान काटा गया।

हादसों में तीन प्रतिशत की वृद्धि

पुलिस के मुताबिक, 2024 की तुलना में 2025 में (1 जनवरी से 20 मार्च तक) सड़क हादसों में लगभग तीन प्रतिशत, मौतों में दो प्रतिशत और घायलों की संख्या में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका प्रमुख कारण वाहनों की बढ़ती संख्या, तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग को बताया जा रहा है।

मालवाहकों में सवारी बैठाने पर सख्ती

शादी-विवाह और त्योहारों के सीजन को देखते हुए मालवाहक वाहनों में यात्रियों को बैठाने पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से इस तरह की शिकायतें मिलने के बाद सभी जिलों में जांच अभियान चलाने और उल्लंघन की स्थिति में जुर्माने के साथ जब्ती की कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

ई-व्हीकल पर सब्सिडी बनी टेंशन! छत्तीसगढ़ में 45 हजार लोग कर रहे इंतजार

रायपुर। एक तरफ छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक राज्य की सड़कों पर 40% इलेक्ट्रिक वाहन दौड़ें, और दूसरी तरफ वही नीति अब सवालों के घेरे में है। ई-व्हीकल पॉलिसी-2022 के तहत मिलने वाली सब्सिडी न मिल पाने से हजारों वाहन मालिक परेशान हैं। कुछ लोगों को तो लोन चुकाने के बाद भी सब्सिडी का एक रुपया तक नहीं मिला।

सब्सिडी की हकीकत, आंकड़े चौंकाने वाले

सब्सिडी पाने वालों की संख्या: 28,248

इंतज़ार कर रहे वाहन मालिक: 45,000+

नीति लागू होने का समय: अप्रैल 2022

सब्सिडी राशि का वादा: वाहन मूल्य का 10% या ₹1.5 लाख तक

डीलर्स की चालाकी: कम कीमत बताकर बेच रहे वाहन

बाजार में ऐसे मामले भी सामने आ रहे हैं जहाँ डीलर्स गाड़ी की असली कीमत छिपाकर बिल बना रहे हैं ताकि सब्सिडी को मैनेज किया जा सके। इससे सरकार को नुकसान और ग्राहकों को भ्रम दोनों हो रहे हैं।

"लोन खत्म हो गया, सब्सिडी अब तक नहीं मिली"

कई उपभोक्ता शिकायत कर रहे हैं कि उन्होंने गाड़ी की किश्तें तक चुका दीं, लेकिन सरकार की तरफ से सब्सिडी की रकम अब तक नहीं आई। यह सीधे तौर पर सरकार की व्यवस्था और नीयत पर सवाल उठाता है।

ई-व्हीकल डीलर्स बताते हैं कि सब्सिडी की उम्मीद में ग्राहक गाड़ी खरीदते हैं, लेकिन जब वो नहीं मिलती, तो उनकी नाराजगी सीधी बिक्री पर असर डालती है। पेट्रोल और डीज़ल वाहनों के मुकाबले पहले से ही महंगे ई-व्हीकल्स अब ग्राहकों की प्राथमिकता से बाहर होते जा रहे हैं। सरकार ने 2030 तक 40% ई-वाहन लाने का लक्ष्य रखा है ताकि वायु प्रदूषण में 10% की कमी लाई जा सके। लेकिन जब 28% प्रदूषण वाहनों से ही हो रहा है, तो ई-व्हीकल को बढ़ावा देने की इस योजना को गंभीरता से लागू करना वक्त की मांग है।

"जैसे ही बजट मिलेगा, वैसे ही सब्सिडी का भुगतान किया जाएगा।"
— एस. प्रकाश, आयुक्त एवं सचिव, परिवहन विभाग, छत्तीसगढ़

रामनवमी पर राम के नाम की आस्था का महासागर

आतिशबाजी से गूंजा आसमान, ड्रोन से हनुमान जी के दर्शन, भक्तों की कतारें पहुंचीं सड़कों तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रामनवमी के अवसर पर भक्ति, संस्कृति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। वीआईपी रोड पर स्थित भव्य श्रीराम मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों ने न सिर्फ रायपुरवासियों का दिल जीत लिया, बल्कि प्रदेशभर से आए श्रद्धालुओं को भी ऐसा अनुभव दिया, जिसे वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे।

रामनवमी की संध्या पर जैसे ही आकाश में रंगीन आतिशबाजी शुरू हुई, वातावरण 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठा। लेकिन असली आकर्षण बना ड्रोन से भगवान हनुमान जी के दिव्य स्वरूप के दर्शन। मंदिर प्रशासन द्वारा पहली बार इस तरह का आयोजन किया गया, जहां तकनीक और भक्ति का ऐसा मेल हुआ कि हर आंख श्रद्धा से नम हो गई। लोगों ने अपने मोबाइल में वीडियो कैद किए और सोशल मीडिया पर शेयर कर इस अलौकिक दृश्य को लाखों तक पहुंचाया।

भीड़ ऐसी कि वीआईपी रोड बन गया श्रद्धा का पथ

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था, लेकिन शाम को ड्रोन दर्शन और आतिशबाजी के कार्यक्रम के दौरान तो वीआईपी रोड पूरी तरह से भर गया। कई किलोमीटर लंबी कतारें, मंदिर के गेट से लेकर मुख्य सड़क तक फैली हुई थीं। यातायात बाधित हुआ, लेकिन किसी के चेहरे पर शिकन नहीं थी — सबके मन में राम नाम की लगन थी।

मुख्यमंत्री साय ने की पूजा-अर्चना, मांगा प्रदेश की सुख-शांति का आशीर्वाद

रामनवमी के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं राम मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा कर श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में स्थित अंजनी माता और बाल हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए और प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की।

रायपुर के मठों में पारंपरिक अंदाज़ — दूध से अभिषेक और मालपुआ का भोग

रायपुर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों दूधाधारी मठ और जैतूसाव मठ में रामनवमी पर परंपरागत रूप से विशेष पूजा हुई। भगवान श्रीराम का दूध से अभिषेक किया गया, उन्हें सोने के आभूषणों से सजाया गया, और 1100 किलो मालपुआ का भोग अर्पित किया गया। भजन-कीर्तन और सुंदरकांड पाठ से मठों का वातावरण भक्ति से भर गया।

छत्तीसगढ़ में राम — परंपरा, संस्कृति और जनमानस का अभिन्न हिस्सा

छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम को केवल एक आराध्य देव के रूप में नहीं, बल्कि 'वनवासी राम' के रूप में घर-घर में पूजा जाता है। अयोध्या से लेकर बस्तर तक, राम यहां की संस्कृति की रग-रग में बसे हैं। इसलिए जब रामनवमी आती है, तो यहां का हर शहर, हर गांव, हर घर राम नाम में डूब जाता है। आज के डिजिटल युग में ड्रोन से दर्शन जैसे आयोजन यह दर्शाते हैं कि छत्तीसगढ़ परंपरा और तकनीक दोनों को साथ लेकर चल रहा है। यह आयोजन आने वाले समय में दूसरे धार्मिक आयोजनों के लिए मॉडल बन सकता है।

रायपुर बना रियल एस्टेट का हॉटस्पॉट, 46 हजार संपत्तियों की रजिस्ट्री

रायपुर। राजधानी रायपुर में बढ़ती सुविधाएं, विकास की रफ्तार और बेहतर कनेक्टिविटी लोगों को आकर्षित कर रही है। यही कारण है कि वर्ष 2024-25 में रायपुर प्रदेशभर में संपत्ति की खरीदी-बिक्री के मामले में शीर्ष पर रहा। पंजीयन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर में 46,589 संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई, जबकि बिलासपुर में 41 हजार और दुर्ग में 34 हजार संपत्तियों का सौदा हुआ। क्रेडाई अध्यक्ष पंकज लाहोटी का कहना है कि ये योजनाएं रायपुर को रहने और निवेश के लिए एक बेहतर विकल्प बना रही हैं।

बाहरी लोगों का रायपुर बना आशियाना

रायपुर की कुल संपत्ति खरीदारों में 10 प्रतिशत लोग अन्य राज्यों से हैं। इससे साफ है कि राजधानी की ओर बाहरी निवेशकों और निवासियों का रुझान भी बढ़ रहा है। पंजीयन विभाग को इस साल लक्ष्य से 90.12 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

रजिस्ट्री में गिरावट, आय में बढ़ोतरी

हालांकि इस वर्ष रजिस्ट्री की संख्या में गिरावट देखी गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 72,604 रजिस्ट्री हुई थीं, जो 2024-25 में घटकर 46,589 रह गईं — यानी 26,015 कम रजिस्ट्री। इस गिरावट का मुख्य कारण अवैध प्लाटिंग पर सख्ती और सुगम ऐप से प्रक्रिया में पारदर्शिता माना जा रहा है। इसके बावजूद, राजस्व में 15.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस वित्तीय वर्ष में 1104.81 करोड़ रुपये की आय दर्ज की गई है।

फ्लैट कल्चर को भी मिल रहा बढ़ावा

इस साल आवासीय प्लाटों की बिक्री सबसे अधिक रही है। इसके साथ ही सरकारी एजेंसियों द्वारा बनाए गए रियायती दर के फ्लैट भी लोगों ने पसंद किए हैं। अब रायपुर में 20 लाख से लेकर 6 करोड़ तक के फ्लैट बेचे जा रहे हैं, जिससे यह साफ है कि फ्लैट कल्चर भी तेजी से विकसित हो रहा है।

नया मास्टर प्लान आकर्षण का केंद्र

- रायपुर का नया मास्टर प्लान भी रियल एस्टेट सेक्टर को बढ़ावा दे रहा है।
- बोरियाकला को एजुकेशन हब,
- कचना को प्रीमियम रेसिडेंशियल जोन,
- गिरौद को लॉजिस्टिक हब और टाटीबंध को ट्रांसपोर्टेशन जोन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

संपादकीय

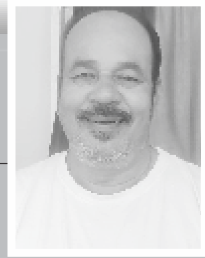

◦ सुकांत राजपूत

पाक से ज्यादा वक्फ मालदार

हमारे देश में वक्फ बोर्डों के पास करीब 9 लाख 40 हजार एकड़ जमीन है। आंकलन करें तो पाकिस्तान का कुल क्षेत्रफल 8. 81 लाख वर्ग किलो मीटर है। ये इतनी जमीन है कि भारत में सिर्फ रेलवे और रक्षा विभाग के पास ही इससे अधिक जमीन है। ये देश का तीसरा सबसे बड़ा जमींदार है। सोशल मिडिया और भारत में चल रही चर्चाओं में कटाक्ष किया जा रहा है कि सोते रहो... एक पाकिस्तान बहार बनाया और एक देश के अंदर बन गया!

अब सवाल उठता है कि इतनी जमीन का कर क्या रहे है? तो इसका जवाब है... रीब 1 लाख 40 हजार एकड़ जमीन पर खेती-बाड़ी होती है। लगभग 33 हजार एकड़ जमीन पर दरगाह, माजर और मकबरे बने हुए हैं, जो आस्था और इतिहास का हिस्सा हैं और करीब 2000 एकड़ जमीन पर स्कूल चलाए जा रहे हैं। जहां शिक्षा दी जाती है। उत्तर प्रदेश में करीब 2 लाख 14 हज़ार संपत्तियां दर्ज हैं। ये आंकड़े वाकई में शोचनीय हैं और बहुत बड़े हैं।

अगर हम पाकिस्तान के चारों प्रांतों - पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के औकाफ(वक्फ)डिपार्टमेंट की कुल जमीन को जोड़ भी दें, तो वो भारत के वक्फ बोर्ड की कुल जमीन के आसपास भी नहीं है। पाकिस्तान की तुलना में अकेले भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में जितनी वक्फ संपत्तियां हैं वो पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब की कुल औकाफ जमीन से कहीं ज्यादा है। यह बड़ी दिलचस्प बात है और कई सवालात भी उठाने वाली है।

संसद में कानून बनने के बाद आधी रात तक इसके खिलाफ छाती पीटने वालों को शायद यह नहीं मालूम कि ये ऐतिहासिक, सामाजिक और कानूनी वजहों से हो सकता है, जिन पर अलग से चर्चा की जा सकती है। लेकिन ये आंकड़े हमें सोचने पर मजबूर करते हैं। इतनी विशाल संपत्ति का प्रबंधन कैसे होता है? क्या इसका सही इस्तेमाल हो रहा है? ये सवाल अक्सर उठते रहते हैं और इसका लाभ क्या सुपात्रों को मिल रहा है भी कि नहीं ? अगर शांत रहकर संसद से पास इस बिल का शांति से अध्ययन करें तो कई बातें बेपर्दा होंगी।

शहीद भगत सिंह की मां भी मनोज कुमार को देखकर बोली थीं - मेरा बेटा ऐसा ही लगता था

कुंवर राजभूषण सिंह 'गहलौत'
सेवानिवृत उप-निरीक्षक, रायपुर

हिन्दी फिल्म जगत में जब भी देशभक्तिपूर्ण फिल्मों का जिक्र होता है, तो सबसे पहले भारत कुमार यानी मनोज कुमार ही याद किए जाते हैं। उनकी फिल्मों ने अपने दौर में एक अलग ही पहचान बनाई थी। मनोज कुमार की फिल्मों की कहानी, उसका संगीत आज भी कालजयी कहलाते हैं।

हरिशंकर गिरि गोस्वामी यानी मनोज कुमार के नाम के साथ अनेक हिट फिल्में जुड़ी हुई है। भगत सिंह के जीवन पर आधारित शहीद फिल्म के बाद देशभक्ति आधारित फिल्मों में उनका खूब नाम हुआ। एक लंबे समय तक बॉलीवुड पर राज करने वाले मनोज कुमार को उपकार, पूरब और पश्चिम, रोटी कपडा और मकान, क्रांति, नील कमल, हरियाली और रास्ता, वो कौन थी, हिमालय की गोद में, दो बदन और शोर जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्हें भारत कुमार के नाम से अधिक पहचान मिली है, क्योंकि अपनी ज्यादातर फिल्मों में उन्होंने अपना नाम भारत ही रखा।

मनोज कुमार का जन्म 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद (पाकिस्तान) में हुआ था। विभाजन के बाद उनका परिवार दिल्ली आ गया और फिर मुंबई। जब उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा तो वे दिलीप कुमार साहब से बहुत प्रभावित थे। दिलीप कुमार से ही प्रेरणा लेकर उन्होंने अपनी नाम हरिशंकर गिरि गोस्वामी से मनोज कुमार रखा और इसी नाम ने उन्हें अपार सफलता, लोकप्रियता दिलाई।

मनोज कुमार ने अपने बॉलीवुड करिअर की शुरुआत डायरेक्टर लेखराज भाकरी की 1957 में आई फिल्म फैशन से की थी, लेकिन ये बात कम ही लोग जानते हैं कि लेखराज भाकरी असल जिंदगी में मनोज के रिश्तेदार ही थे। अपनी पहली फिल्म में मनोज ने 80 साल के एक भिखारी का किरदार निभाया था। फिल्म सफल नहीं रही तो मनोज कुमार को किसी ने खास नोटिस भी नहीं किया। आखिरकार फिल्म शहीद से उन्हें सही पहचान मिली । इस फिल्म में उन्होंने भगत सिंह के रोल में जैसे जान ही डाल दी थी। यह फिल्म सुपर हिट हुई और मनोज कुमार भी निर्माता-निर्देशकों की पसंद बन गए। यहां तक शहीद भगत सिंह की मां विद्यावती भी मनोज कुमार को भगत सिंह के रूप में देखकर बोली थीं कि मेरा बेटा ऐसा ही लगता था।

मनोज कुमार के जीवन से जुड़ी खास बातें

- मनोज कुमार हवाई जहाज में सफर नहीं करते हैं। फिल्म पूरब और पश्चिम की शूटिंग के लिए हवाई जहाज में बैठने पर उनके मन में डर बैठ गया था, जिसके बाद से उन्होंने कभी हवाई सफर नहीं किया।
- फिल्म उपकार की प्रेरणा मनोज कुमार को तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से मिली थी। दरअसल शास्त्री जी को मनोज कुमार की फिल्म शहीद बेहद पसंद आई थी जिसे देखने के बाद उन्होंने मनोज कुमार को जय जवान, जय किसान पर फिल्म बनाने का सुझाव दिया था। शास्त्री जी के सुझाव से मनोज इतने प्रभावित हुए कि शास्त्री जी से मुलाकात के बाद ट्रेन में दिल्ली से मुंबई लौटते वक्त ही उन्होंने फिल्म उपकार की कहानी तैयार कर ली थी। इस फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल हुआ।
- पूरब और पश्चिम से तो मनोज कुमार भारत कुमार के रूप में और भी ज्यादा लोकप्रिय हो गए. इसका एक कारण यह भी था कि इस फिल्म के लिए इंदीवर ने एक गाना लिखा था- भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। यह गीत उस समय इतना लोकप्रिय हुआ कि हर किसी की जुबान पर यह गीत चढ़ गया। आज भी यह गीत इतना लोकप्रिय है कि हमारे स्वतंत्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस पर यह रेडियो टीवी सहित स्कूल, कॉलेज आदि के समारोह में खूब गाया, बजाया जाता है।
- बॉलीवुड की 16 फिल्मों में साथ काम कर चुके अमिताभ बच्चन और शशि कपूर को सबसे पहले स्क्रीन पर मनोज कुमार अपनी फिल्म रोटी, कपड़ा और मकान में साथ लाए थे। इस फिल्म से पहले अमिताभ बच्चन का करिअर ढलान पर आ गया था और वो मुंबई छोड़ने का मन बना चुके थे, लेकिन मनोज कुमार ने उन्हें मुंबई छोड़ कर जाने से रोका और अपनी फिल्म रोटी, कपड़ा और मकान का ऑफर दिया। फिल्म सुपर हिट हुई।
- मनोज कुमार ने एक दिलचस्प किस्सा सुनाया था। उन्होंने बताया- एक बार मैं परिवार के साथ किसी रेस्तरा में खाना खाने गया। खाने का ऑर्डर देने के बाद मैं सिगरेट पीने बैठ गया। तभी सामने बैठी एक लडक़ी बड़े गुस्से से मेरे पास आकर बोली- आप कैसे भारत कुमार हैं। भारत कुमार होकर सिगरेट पीते हैं। उस लडक़ी की यह बात सुन मैं और मेरा परिवार दंग रह गया लेकिन मैंने तभी सिगरेट फेंक दी थी।
- मनोज कुमार ने देशभक्ति पूर्ण फिल्मों के अलावा ध्वनि प्रदूषण पर एक फिल्म बनाई थी- शोर। फिल्म में दिव्यांगों की ज़िंदगी की समस्याओं को भी बहुत ही संजीदगी से दिखाया गया था। फिल्म में संतोष आनंद के लिखे मधुर गीत एक प्यार का नगमा है, का जादू आज भी बरकरार है।
- मनोज कुमार को वर्ष 1992 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसके साथ ही उन्हें हिंदी सिनेमा का सबसे प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के अवॉर्ड भी मिल चुका है।

शब्दभेदी बाण चलइया कोदूराम जी वर्मा....

सुशील भोले

हमन लइका राहन त हमर गाँव नगरगाँव म हर बछर नवधा रामायण के कार्यक्रम देखन-सुनन. एकर आखिरी दिन एक झन सियान के धनुस बान के कार्यक्रम देखन. उँकर आँखी म कपड़ा के टोपा बाँध देवँय, तहाँ ले दू तीन भाँवर किंजार देवंय. वोकर बाद एक ठन लकड़ी म सूत बधे नान्हे लकड़ी ल घुमावँय, फेर एक आने मनखे ह वो सूत बंधाय लकड़ी तीर जाके एक ठन गिलास ल बजावय. तहाँ ले आँखी म टोपा बंधाय सियान ह वो गिलास बाजे के दिशा म किंजर के अपन हाथ म धरे धनुस ले बान ल छोड़ देवय. देखते-देखत वो बान ह जेमा धारदार लोहा के एक टुकड़ा लगे राहय, तेमा वो घूमत सूत ह कटा के गिर जावय. लोगन खुश होके ताली बजावँय. हमूँ मन बजावन, फेर वो लइकई अवस्था म वोकर महत्व ल नइ समझत राहन. जब धीरे धीरे बड़े होवत गेन, अउ एकरे संग समझ बाढ़त गिस त जानेन के वो ह शब्दभेदी बाण के प्रदर्शन रहिस हे. जइसे के नवधा रामायण म सुनन के राजा दशरथ ह हिरन के भोरहा म अपन भाँचा श्रवण कुमार ल मार परे रिहिसे.

बाद म तो साहित्यिक अउ सामाजिक गतिविधि म सक्रिय होए के बाद वो शब्दभेदी बाण के संधानकर्ता कोदूराम वर्मा जी के कार्यक्रम ल कतकों जगा देखे बर मिलिस. उँकर गाँव भिंभौरी म मोर एक साढ़ूभाई राहय, तेकरो सेती भिंभौरी जाना होवय. उहों कतकों बखत भेंट मुलाकात हो जावय. कोदूराम जी आकाशवाणी के घलो गायक कलाकार रहिन. उन बताइन के, सन् 1955-56 म मैं लोक कलाकार के रूप म आकाशवाणी म पंजीकृत होगे रेहेंव. फेर मैं उहाँ जादा करके भजने गावँव. मोर भजन म - 'अंधाधुंध अंधियारा, कोई जाने न जानन हारा', 'भजन बिना हीरा जनम गंवाया' जइसन भजन मन वो बखत भारी लोकप्रिय होए रिहिसे.

कोदूराम जी दाऊ रामचंद्र देशमुख जी के 'चंदैनी गोंदा' ले प्रभावित हो के 'गंवई के फूल' नॉव ले एक सांस्कृतिक दल घलो बनाए रिहिन हें, जेमा 40-45 कलाकार राहँय. तब कला अउ कलाकार मन के गौरवशाली रूप देखे बर मिलय. कोदूराम जी अब के कलाकार अउ उँकर प्रस्तुति ले भारी नाराज राहँय. उन शासन ल ए डहर चेत करे के घलो अरजी करँय, तेमा कला के गौरवशाली रूप ल फिर से देखे जा सकय. कोदूराम जी बताइन के वो बखत मैं भजन गावँव, वोकर संगे-संग दुरुग वाले हीरालाल शास्त्री जी के रामायण सेवा समिति

संग घलो जुड़े राहँव. उही बखत उत्तर प्रदेश ले बालकृष्ण शर्मा जी आए रिहिन. जब शास्त्री जी रामायण के प्रस्तुति करँय, वोकर आखिर म बालकृष्ण जी शब्दभेदी बाण के प्रस्तुति देवँय. मैं उँकर ले भारी प्रभावित होएँव, तहाँ ले उही मन ले तीन महीना के कठिन अभ्यास ले महूँ शब्दभेदी बाण चलाए बर सीख गेंव. उन बताइन के शब्दभेदी बाण चलई ह सिरिफ कला के प्रदर्शन नोहय, भलुक एक साधना आय. एकर बर हर किसम के दुर्व्यसन मन ले मुक्त होना परथे. उन बतावँय के बाद म उँकर जगा कतकों झन शब्दभेदी बाण सीखे खातिर आवँय फेर साधना म कमजोर रहे के सेती कोनों पूरा पारंगत नइ हो पाइन. (ये इंटरव्यू ले के बहुत बाद म पता चलिस के कोदूराम जी के बड़े बेटा शालिक राम जी वर्मा शब्दभेदी बान चलाए बर सीख गये हें, अउ कोनो कोनो जगा वोकर प्रदर्शन करथें. फेर मोला अभी तक उँकर ए ज्ञान-कला ल प्रत्यक्ष देखे के अवसर नइ मिले हे. हाँ, अतका जरूर हे, के एक पइत उन डॉ. परदेशी राम वर्मा के एक कार्यक्रम म संग म भिलाई जावत बेरा शालिकराम जी शब्दभेदी बान चलाए के चर्चा जरूर करे रिहिन हें.) मैं कोदूराम जी ले फेर पूछेंव के ये शब्दभेदी बाण के सेती सरकार डहार ले आपला कोनों सम्मान मिलिस का? त उन बताए रिहिन के शब्दभेदी बाण के सेती तो नहीं, फेर कला खातिर जरूर मिले रिहिसे. केन्द्र सरकार द्वारा सन् 2003-04 म गणतंत्र दिवस परेड म करमा नृत्य प्रदर्शन खातिर बलाए गे रिहिसे, उहाँ हमर मंडली ल सर्वश्रेष्ठ घोषित करे गे रिहिसे, अउ मोला 'करमा सम्राट' के उपाधि ले सम्मानित करे गे रिहिसे. अइसने हमर राज के राज्योत्सव म सन् 2007 म कला क्षेत्र म विशिष्ट योगदान खातिर 'दाऊ मंदरा जी सम्मान' ले सम्मानित करे गे रिहिसे.

सत्ताधारी दल के मयारुक मनला नवरात्रि के परसाद के रूप म निगम मंडल मन के माध्यम ले सत्ता म भागीदारी मिलगे हे बताथें जी भैरा.

-हव जी कोंदा.. 36गढ़ के 36 दुलरवा मनला निगम मंडल के कुर्सी मिलगे हे.

-अच्छा.. त छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के खेवनहार कोन बनिस हे जी?

-या.. 36 लोगन के सूची म तो मैं राजभाषा आयोग के नॉवे ल नइ देख पाएँव संगी.

-वाह भई.. त राजभाषा ह पहिली च असन ए बखत घलो बिन दाई-ददा के रहिगे का जी?

-कोन जनी गा.. हो सकथे अवइया बेरा म वोकरो भाग सँवर जावय.. वइसे सचिव अउ जम्मो कर्मचारी मन के भरोसा तो चलतेच हे.

-अध्यक्ष अउ सदस्य मन के अलगेच महत्व होथे गा.. बहुत अकन अइसन निर्णय होथे, जेला सरकार द्वारा नियुक्त जनप्रतिनिधि मन ही ले सकथें.. इही तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के खासियत ए.. बीते पाँच बछर के कामकाज ल तो देखेच हावन बिन इंजन के रेलगाड़ी कइसे चलथे तेला?

हमन राजनीति ल आज तक जनसेवा के कारज मानत रेहेन जी भैरा.. फेर अभी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ह एक पत्रकार संग करे मुँहाचाही म कहे हे के ए ह रोजगार आय.

-हव जी कोंदा.. हमन जनसेवा के कारज ही समझन तभे तो एमा सँघरे नेता मनला जनसेवक कहे जाथे या माने जाथे.

-सिरतोन आय संगी.. फेर मुख्यमंत्री योगी ल जब भविष्य के प्रधानमंत्री बने के बारे म पूछे गिस त वो कहिन- मैं तो असल म योगी हौं.. राजनीति मोर 'फुल टाइम जॉब' नोहय.. 'जॉब' शब्द के उपयोग तो हमन रोजी-रोजगार.. नौकरी या व्यवसाय ले जुड़े बुता खातिर ही करथन न?

-हव जी सही आय.. अउ जब राजनीति ह वोकर फुल टाइम 'जॉब' नोहय त योगी बने हे तेन ह आय का?

-बड़ा बिचित्र गढ़न के बात आय संगी.. मैं तो साधु बैरागी या योगी बनई ल आजतक भगवान पाए के रद्दा समझत रेहेंव.. मोक्ष या कहिन सद्गति पाए के रद्दा समझत रेहेंव, फेर आज जाने पाएँव के उहू ह 'जॉब' आय!

पीएम ने किया एशिया का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज उद्घाटित

पीएम मोदी ने ही रखी थी 2019 में नींव

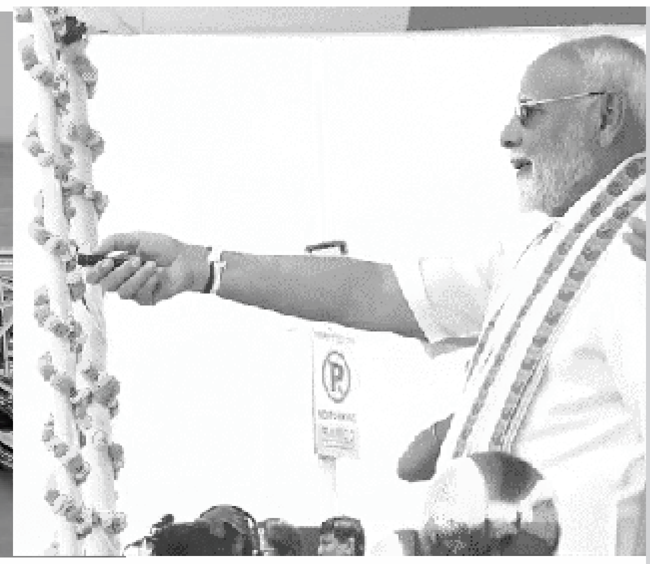

नए ब्रिज की खासियत

- **फुली ऑटोमेटेड वर्टिकल लिफ्ट स्पैन** – पुराने मैनुअल शेरजर लिफ्ट की तुलना में नया पुल पूरी तरह से ऑटोमेटेड वर्टिकल लिफ्ट सिस्टम से लैस है। इससे ट्रेन संचालन ज्यादा आसान होगा।
- **ज्यादा ऊंचाई से गुजर सकेंगे जहाज** – पुराना पुल 19 मीटर ऊंचाई तक खुलता था, लेकिन नए पुल में 22 मीटर का एयर क्लियरेंस दिया गया है। इससे बड़े जहाज आराम से गुजर सकेंगे।
- **डबल ट्रैक और इलेक्ट्रिफिकेशन** – नए पुल को तेज रफ्तार ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें डबल ट्रैक और इलेक्ट्रिफाइड सिस्टम शामिल है।

ब्रिज निर्माण की 2 मुख्य वजहे

- रामेश्वरम धार्मिक और व्यापारिक रूप से अहम था। बड़ी संख्या में लोग यहां दर्शन के लिए आते थे। इसके लिए नाव का इस्तेमाल होता था। तेज हवाओं और समुद्री लहरों के कारण सफर करना मुश्किल होता था।
- अंग्रेज श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच बेहतर कनेक्टिविटी चाहते थे, जिससे श्रीलंका से व्यापार बढ़ सके। इसके लिए ब्रिटिश प्रशासन ने रेलवे ब्रिज बनाने का फैसला लिया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट स्पैन रेलवे ब्रिज (नए पम्बन ब्रिज) का उद्घाटन किया। 2.08 किमी लंबे ब्रिज की नींव नवंबर 2019 में मोदी ने ही रखी थी। भाषा विवाद के कारण तमिलनाडु के CM एमके स्टालिन कार्यक्रम में नहीं आए। ब्रिज रामेश्वरम (पम्बन द्वीप) को भारत की मुख्य भूमि तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ही नवंबर, 2019 में इसकी नींव रखी थी। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसे डबल ट्रैक और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। स्टील से बने नए ब्रिज पर पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है, जो इसे जंग और समुद्र के नमकीन पानी से बचाएगी। पुराना पुल 2022 में जंग लगने की वजह से बंद कर दिया गया था। इसके बाद से रामेश्वम और मंडपम के बीच रेल कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी। रामायण के अनुसार, रामसेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था। इस वजह से ये आस्था के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 8300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत के विभिन्न रेल और सड़क प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

कैसे बना यह ऐतिहासिक पम्बन पुल

पुराने पम्बन ब्रिज को बनाने का प्लान 1870 में बना था, लेकिन काम 1911 में शुरू हुआ। 24 फरवरी, 1914 को इस पुल के जरिए रेल सेवा शुरू हुई थी। इस पुल की लंबाई 2.06 किमी थी। इसे खास तकनीक से बनाया गया था ताकि जहाज इसके नीचे से गुजर सकें।

रामलला का सूर्य तिलक

5 लाख श्रद्धालु पहुंचे, 42 जिलों में अलर्ट

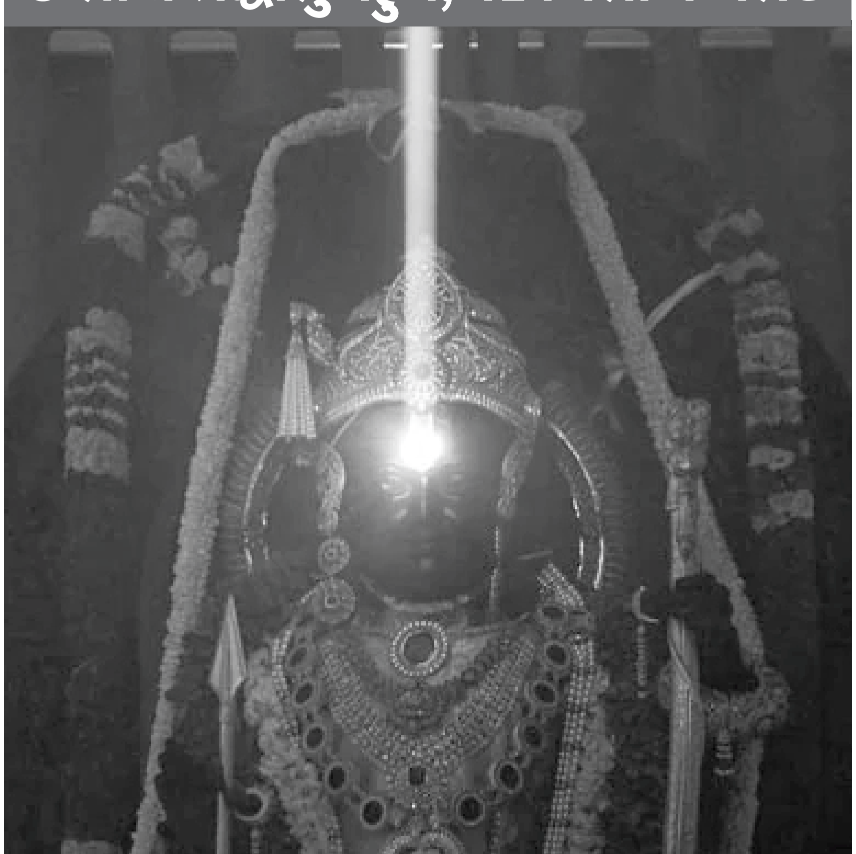

राम नवमी की झलकियां

- अयोध्या में रामलला का सूर्य तिलक किया गया
- रामनवमी पर भगवान श्रीराम का स्वर्ण शृंगार
- श्रीनगर में रामनवमी पर शोभा यात्रा निकाली गई
- पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में शोभा यात्रा में शामिल हुए लोग
- सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में राम मंदिर की आधारशिला रखी
- शिवराज सिंह ने राम नवमी के अवसर पर कन्या पूजन किया
- योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया
- असम के CM हेमंत बिस्व सरमा महाआरती में शामिल हुए
- झारखंड के गिरिडीह में सुरक्षा बढ़ाई गई
- रामनवमी के दिन मां के साथ अनंत अंबानी द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे
- अयोध्या में ड्रोन के जरिए भीड़ और व्यवस्था की निगरानी

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ बिल बना कानून

लागू होने की तारीख केंद्र तय करेगा; मुस्लिम संगठनों का मुखर विरोध

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया। अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) पर 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था।

नए कानून को लेकर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी और AAP विधायक अमानतुल्लाह खान ने अलग-अलग याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इन याचिकाओं में कहा गया है कि वक्फ संशोधन एक्ट मुस्लिम कम्युनिटी के साथ भेदभाव करता है। यह एक्ट मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन भी करता है। इस पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है।

इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया। वहीं लोकसभा में देर रात 2 अप्रैल को पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का विरोध

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने शनिवार शाम को वक्फ बिल के विरोध में दो पेज का लेटर जारी किया। AIMPLB ने कहा कि हम सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि संशोधन पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाते।

भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस

जेपी नड्डा बोले- भाजपा जो कहती है वो करती है

नई दिल्ली। भाजपा के 46 वें स्थापना दिवस पर भाजपा के सभी राज्य मुख्यालयों और जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी आज अपना 46वां स्थापना दिवस बना रही है। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा का झंडा फहराया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें समझना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

नड्डा ने आगे कहा- हमने राममंदिर बनाने का वादा किया तो पूरा किया। धारा 370 खत्म करने का वादा किया तो पूरा किया। भाजपा जो कहती है वो करती है। यही वजह है कि हमारी राज्यों में सरकारें लगातार रिपीट हो रही है। उत्तराखंड, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र में बार-बार जनता का विश्वास हम पर बना हुआ है। इस बार दिल्ली में भी हमारी 2.5 दशक बाद सरकार आई है। दरअसल, भाजपा के 46 वें स्थापना दिवस पर भाजपा के सभी राज्य मुख्यालयों और जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उपद्रव की आशंका, आठ राज्यों में हाईअलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में रामनवमी मनाई जा रही है। राज्यों में शोभा यात्रा-जुलूस निकाले जा रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार शामिल हैं। किसी भी तरह की हिंसक घटनाओं से बचने के लिए प्रशासन हाईअलर्ट पर है। पश्चिम बंगाल में हावड़ा समेत 10 जिले हाईअलर्ट पर हैं। राज्य में 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भाजपा ने कोलकाता में बाइक रैली निकाली। भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी है। जयपुर और टोंक के कुछ इलाके संवेदनशील हैं। दोनों ही शहरों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। मुंबई में यहां 11 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। झारखंड में रांची, हजारीबाग, जमशेदपुर और गिरिडीह जिलों में CRPF और 5 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

हीरो से विलेन बने 'धोनी'

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी IPL के सबसे महानतम खिलाड़ी और कप्तानों में से एक भी हैं. वो पांच बार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जिता चुके हैं. आईपीएल 2024 में धोनी अपने तूफानी स्ट्राइक रेट से विरोधी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे थे. उन्होंने पिछले सीजन 220 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 161 रन बनाए थे. मगर IPL 2025 के दो ही मैचों ने एमएस धोनी को हीरो से विलेन बना दिया है.

धोनी पर रिटायरमेंट का दबाव

धोनी को दुनिया के बेस्ट फिनिशरों में से एक माना जाता है. अब तक उन्होंने IPL 2025 में चारों मैचों में बैटिंग की है, लेकिन दुनिया का बेस्ट फिनिशर होते हुए भी वो CSK को जीत दिलाने में नाकाम रहे हैं. निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने और धीमे स्ट्राइक रेट से बैटिंग के कारण रिटायरमेंट का भूत 'थाला' के पीछे पड़ गया है.

एमएस धोनी ने IPL 2025 में अभी तक चार मैचों में 76 रन बनाए हैं. उन्होंने टूर्नामेंट में CSK के चारों मैचों में बैटिंग की है और निरंतर अपनी टीम के लिए मैच फिनिश करने में नाकाम रहे हैं. खासतौर पर IPL 2025 के दो मैचों ने उन्हें सबसे बड़ा विलेन बना दिया है. इनमें पहला मैच RCB के खिलाफ रहा, जिसमें धोनी ने 16 गेंद में 30 रन बनाए थे. चेन्नई की टीम को बड़े लक्ष्य का पीछा करना था, ऐसे में धोनी नौवें क्रम पर बैटिंग करने आए थे. धोनी और CSK को इसलिए भी ट्रोल किया गया क्योंकि रविचंद्रन अश्विन को उनसे ऊपर बैटिंग करने भेजा गया था. नतीजन CSK को उस मैच में 50 रनों से हार मिली थी. दिल्ली के खिलाफ मैच में धोनी को बहुत धीमी पारी के कारण ट्रोल होना पड़ा. धोनी दिल्ली के खिलाफ मैच में 11वें ओवर में ही बैटिंग करने आ गए थे, दूसरे छोर पर विजय शंकर क्रीज पर सेट हो चुके थे. एक तरफ शंकर ने केवल 128 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 69 रन बनाए. वहीं धोनी ने 115 के धीमे स्ट्राइक से 30 रन बनाए थे. सामने 184 रनों का लक्ष्य था, फिर भी धोनी का तेज बैटिंग ना करना, CSK की हार का बड़ा कारण बना.

गुजरात ने हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

हैदराबाद। गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया है. उप्पल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद ने अपने होम ग्राउंड पर खेलते हुए 152 रन बनाए थे. जवाब में गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते 7 विकेट से इस मैच को जीत लिया है. यह IPL 2025 में गुजरात की लगातार तीसरी जीत है, वहीं हैदराबाद टीम को लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी है. कप्तान शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज गुजरात की जीत के हीरो रहे. गुजरात टाइटंस को 153 रनों का लक्ष्य मिला था. स्लो पिच पर इस लक्ष्य को हासिल कर पाना आसान नहीं था. हैदराबाद ने गेंदबाजी में अच्छी शुरुआत भी की क्योंकि इन-फॉर्म बल्लेबाज साई सुदर्शन 5 रन और जोस बटलर बिना खाता खोले आउट हो गए थे. इस कारण गुजरात ने मात्र 16 रनों पर 2 विकेट गंवा दिए थे.

गिल-सुंदर ने पलट दिया पूरा मैच

गुजरात के 2 विकेट 16 रनों पर गिर चुके थे. यहां से शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर ने पूरा मैच ही पलट कर रख दिया. दोनों के बीच 90 रनों की पार्टनरशिप हुई, जिसने गुजरात को जीत की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया. सुंदर का विकेट विवादास्पद जरूर रहा, लेकिन मोहम्मद शमी ने उन्हें अनिकेत वर्मा के हाथों 49 के स्कोर पर कैच करवाया. वहीं कप्तान शुभमन गिल शुरू से लेकर अंत तक क्रीज पर टिके रहे और नाबाद 61 रन बनाते हुए शानदार मैच विनिंग पारी खेली. सुंदर के आउट होने के बाद शेरफान रदरफोर्ड ने कप्तान गिल का साथ निभाया. रदरफोर्ड ने 16 गेंद में 35 रनों की तेजतर्रार पारी खेल गुजरात की जीत सुनिश्चित की.

AI से लोग बनाने लगे फर्जी आधार और पैन कार्ड

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर Ghibli स्टाइल ईमेज बनाने का ट्रेंड अभी चल ही रहा है कि इस बीच एआई ऐप चैटजीपीटी पर बने फेक आधार और पैन कार्ड भी जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहे हैं. हैरान करने वाली बात यह है कि ये नकली पैन और आधार कार्ड दिखने में इतने असली लग रहे हैं कि इन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है. एआई ऐप चैटजीपीटी की मदद से बनाई गई ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और टेस्ला व स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क के नकली पैन कार्ड की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. और तो और लोगों ने प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ आर्यभट्ट तक को नहीं बख्शा, उनके भी पैन और आधार कार्ड बना डाले. इससे पता चलता है कि कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का किस कदर दुरुपयोग हो रहा है. भले ही लोग ट्रेंड को फॉलो करते हुए मजाक-मजाक में ऐसा कर रहे हैं, लेकिन ये चिंता करने वाली बात है. इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चैटजीपीटी आधार कार्ड जैसी तस्वीरें बना रहा है, जो असली कार्ड से काफी मिलती-जुलती है. हालांकि, कार्ड में कुछ टेक्स और नंबर में गड़बड़ी है. नकली कार्ड बनाने की एआई की कैपेसिटी ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. इसी के साथ सिक्योरिटी रिस्क और एआई रेगुलेशन पर फोकस करने की जरूरत अब महसूस होने लगी है.

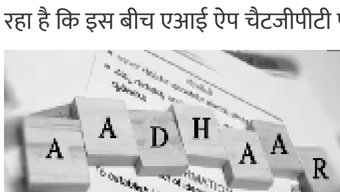

8वें वेतन आयोग में हद से ज्यादा बढ़ सकता है फिटमेंट फैक्टर!

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने जनवरी 2024 में एक बड़ी घोषणा की कि 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल दिसंबर 2025 में पूरा होने के बाद नया यानी 8वां वेतन आयोग गठित किया जाएगा. जैसे ही इस बात की पुष्टि हुई, पूरे देश के करोड़ों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स में एक सवाल उठ खड़ा हुआ कि इस बार सैलरी कितनी बढ़ेगी? अभी तक सरकार ने 8वें वेतन आयोग के चेयरमैन और अन्य सदस्यों के नाम का ऐलान नहीं किया है, लेकिन चर्चाएं जोरों पर हैं. इसके साथ ही चर्चा है कि फिटमेंट फैक्टर क्या होगा और यह भी कि क्या बेसिक पे में DA (महंगाई भत्ता) को मर्ज किया जाएगा या नहीं. अब बात करते हैं कि ये फिटमेंट फैक्टर होता क्या है. दरअसल, ये एक तरह का मल्टीप्लायर होता है, जिसके जरिए पुरानी बेसिक सैलरी को गुणा करके नई सैलरी तय की जाती है. ये फैक्टर DA यानी महंगाई भत्ते और मौजूदा आर्थिक हालातों को ध्यान में रखते हुए तय किया जाता है. इसका मकसद होता है कि सभी कर्मचारियों को एक समान और न्यायसंगत बढ़ोतरी मिले. उदाहरण के लिए, जब 7वां वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, उस समय कर्मचारियों को 125 फीसदी DA मिल रहा था. आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर सुझाया था. यानी अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 10,000 थी, तो 125 फीसदी DA यानी 12,500 जोड़कर कुल बनता है 22,500. इस पर 14.22 फीसदी की वास्तविक बढ़ोतरी जोड़कर नई सैलरी 25,700 तय की गई. यानि फिटमेंट फैक्टर = 25,700 / 10,000 = 2.57 हुआ.

'रिटायर्ड हर्ट' और 'रिटायर्ड आउट' में क्या होता है अंतर

मुंबई। IPL 2025 के मैच नंबर 16 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस ने रिटायर्ड आउट नियम का उपयोग किया और तिलक वर्मा को बिना आउट हुए ही मैदान से बाहर बुला लिया. उनकी जगह टीम ने मिचेल सेंटनर को बल्लेबाजी के लिए भेजा. तिलक ना तो चोटिल हुए थे और ना ही कोई ऐसी वजह थी जिससे वह बल्लेबाजी करने में सक्षम नहीं थे, बावजूद उनकी टीम को ये अधिकार था कि वह उन्हें बाहर कर अगले बल्लेबाज को भेज सके. कई लोग रिटायर्ड आउट को रिटायर्ड हर्ट ही समझ रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. जब कोई बल्लेबाज आउट नहीं होता और ना ही चोटिल होता है लेकिन वह या उनकी टीम चाहती है कि उनकी जगह कोई और बल्लेबाज मैदान पर आए तो रिटायर्ड आउट नियम का उपयोग किया जाता है. इस नियम के तहत इसमें अंपायर की अनुमति की जरूरत नहीं होती. बल्लेबाज के नाम के आगे रिटायर्ड लिखा आता है. रिटायर्ड आउट होने वाला बल्लेबाज उस मैच में वापस बल्लेबाजी के लिए नहीं आ सकता. हालांकि अगर अंपायर और विरोधी टीम के कप्तान की अनुमति हो तो उस स्थिति में वो प्लेयर बल्लेबाज कर सकता है. वहीं क्रिकेट में खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बना रहता है, इस स्थिति के लिए रिटायर्ड हर्ट नियम बना था. इसके तहत किसी चोट या स्वास्थ्य संबंधी कारणों से कोई खिलाड़ी मैदान से बाहर चला जाता है तो उसे रिटायर्ड हर्ट माना जाता है.

क्या फिर सस्ती होगी EMI?

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली बड़ी आर्थिक हलचल शुरू होने वाली है. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सोमवार, 7 अप्रैल से अपनी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक शुरू करने जा रहा है. और इसका फाइनल फैसला बुधवार, 9 अप्रैल सुबह 10 बजे सामने आएगा. अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें आम आदमी के लिए क्या खास है? चलिए, आसान भाषा में समझते हैं कि इस मीटिंग से आपके लिए फायदे की क्या चीज निकलने वाली है. फरवरी 2025 में RBI ने एक बड़ा कदम उठाया था, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती, यानी रेपो रेट 6.5 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया गया था. ये करीब पांच सालों बाद पहली बार हुआ था. ऐसे में अब उम्मीद है कि इस बार भी RBI 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है. यानी लोन लेना और सस्ता हो सकता है. आसान भाषा में समझाएं तो EMI में कुछ राहत मिल सकती है. फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, Bank of Baroda जैसी संस्थाओं का कहना है कि पूरे साल में कुल मिलाकर 0.75 फीसदी की कटौती देखी जा सकती है.

दुनिया के घटनाक्रम में भारत को फायदा कैसे?

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 देशों पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं. ये टैरिफ 11 फीसदी से 49 फीसदी तक होंगे और 9 अप्रैल से लागू हो जाएंगे. वहीं, ठीक उसी दिन RBI अपनी पॉलिसी का एलान करेगा. अब ये भारत के लिए मौका बन सकता है. चीन, वियतनाम, बांग्लादेश जैसे देश अगर अमेरिकी बाज़ार में महंगे हो जाते हैं, तो भारतीय निर्यातकों के लिए वहां जगह बन सकती है.

महंगाई काबू में है, अब बारी ग्रोथ की

RBI का महंगाई नियंत्रण का टारगेट 2 फीसदी से 6 फीसदी के बीच होता है और फिलहाल भारत इस बैंड में बना हुआ है. इसका मतलब ये हुआ कि अब RBI का फोकस ग्रोथ को बूस्ट करने पर रहेगा. छोटे बिज़नेस, स्टार्टअप्स और आम जनता के लिए ये राहत की खबर हो सकती है.

40 प्रतिशत गिरेगा सोने का दाम

नई दिल्ली। रेसिप्रोकल टैरिफ के चलते जहां एक तरफ शेयर बाजार में हलचल है तो वहीं गोल्ड में निवेश एक सुरक्षित मौका लग रहा है. इस बीच, आज 4 अप्रैल, 2025 को सोने की कीमत में भारी गिरावट देखी गई. इससे एक तरफ जहां निवेशकों को फायदा हो रहा है, वहीं उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ा है. अमेरिका में मॉर्निंगस्टार के एक एनालिस्ट ने आने वाले कुछ सालों में सोने की कीमतों में 38 परसेंट तक की गिरावट आने की भविष्यवाणी की है. आज घरेलू बाजारों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपये है, वहीं ग्लोबल मार्केट में इसकी कीमत 3,100 डॉलर से ज्यादा है. लगभग 40 परसेंट की संभावित गिरावट के साथ इसकी कीमत आने वाले समय में भारतीय बाजारों में लगभग 55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है. मॉर्निंगस्टार के स्ट्रैटेजिस्ट जॉन मिल्स को उम्मीद है कि सोने की कीमतें मौजूदा 3,080 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 1,820 डॉलर प्रति औंस हो जाएंगी, जो सोने की कीमतों में होने वाली भारी गिरावट है.

इस वजह से बढ़ी थी कीमत

सोने की कीमत में हाल के दिनों में आई तेजी के पीछे कई बड़ी वजहें थीं जैसे कि आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी टैरिफ वगैरह. इसके चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की खूब डिमांड बढ़ी. हालांकि, अब कई ऐसे फैक्टर्स हैं जिससे कीमतें कम हो सकती हैं.

ई-रिक्शा बैटरी रिचार्ज करने क्रेडा ने बनाया सोलर एनर्जी स्वैपिंग स्टेशन...

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रेडा ने ई-रिक्शा के मामले में दो बड़े और कामयाब प्रयोग कर डाले हैं। पहला प्रयोग ई-रिक्शा को रिचार्ज करने वाला स्वैपिंग स्टेशन है, जो सोलर एनर्जी से काफी बिजली खुद ही बना डालेगा। यह रास्ता चल रहे ई-रिक्शा की बैटरी को बहुत तेजी से और कम खर्च में फुल चार्ज करने में सक्षम है। इसी तरह, क्रेडा ने ई-रिक्शा को सोलर पैनल लगाकर सौर ई-रिक्शा में कन्वर्ट कर दिया है। इसकी खास बात ये है कि सोलर ऊर्जा से इसकी बैटरी चार्ज होती रहेगी, अर्थात इसे कम से कम रीचार्ज करने की जरूरत पड़ेगी। सीएम विष्णुदेव साय ने रायपुर के क्रेडा कार्यालय परिसर में अक्षय ऊर्जा के 50 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इस दौरान उनके साथ विधानसभा स्पीकर डा. रमन सिंह भी थे। सीएम ने सौर ऊर्जा संचालित बैटरी स्वैपिंग स्टेशन और सामान्य से सौर ऊर्जा में परिवर्तित ई रिक्शा का लोकार्पण भी किया।

क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा ने बताया कि सौर संचालित बैटरी स्वैपिंग स्टेशन क्रेडा द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में डेवलप किया गया है। इससे ई-रिक्शा चालक कम समय में सस्ते दर पर डिस्चार्ज बैटरी को चार्ज बैटरी से बदल सकते हैं। एक और फायदा यह होगा कि ई-रिक्शा चालक प्रतिदिन अधिक दूरी तय कर पाएंगे, जिससे आमदनी बढ़ेगी।

नवीकरणीय ऊर्जा से बदलेगा प्रदेश का भविष्य : मुख्यमंत्री

अक्षय ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग स्वच्छ, सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाएगा। बिजली आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नए लक्ष्य तय किए गए हैं और इसे पूरा करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के क्रेडा कार्यालय परिसर में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 50 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन कर कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने सौर ऊर्जा संचालित बैटरी स्वैपिंग स्टेशन और सामान्य से सौर ऊर्जा में परिवर्तित ई रिक्शा का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज के इस शुभ घड़ी में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े कामों की शुरुआत हुई है। परंपरागत ईंधन के स्रोतों से पर्यावरण को हो रही क्षति को देखते हुए सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बड़ा परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा से जुड़ी अनेक योजनाएं संचालित है।

सरकार सुशासन तिहार मना रही छत्तीसगढ़िया किसान जूते से पीटा जा रहा- बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार सुशासन तिहार मनाने जा रही है। यही इस सरकार का सुशासन है कि छत्तीसगढ़िया किसान जूते से पीटा जा रहा और सुशासन वाली सरकार अपराधियो की संरक्षण बनी हुई है।

किसान को मारने वाला खुला धमकी दे रहा, मेरा कलेक्टर, एसपी कुछ नहीं बिगाड़ सकता। भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में गरीब, किसान, मजदूर ,आम आदमी के साथ आए दिन मारपीट हो रही है। हिंसा हो रहा है और इसमें शामिल लोगों को भाजपा सरकार का संरक्षण है। बलौदाबाजार जिला के सुहेला के ग्राम खिलौरा में राइस मिल के मालिक रोशन अग्रवाल ने अपने गुर्गों के साथ एक गरीब किसान खोरबाहरा जायसवाल को लहूलुहान मारपीट किया और पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बनी बैठी रही। किसान की गलती केवल इतनी थी कि उन्होंने सरकारी जमीन के कब्जे के खिलाफ आवाज उठाया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार में पूंजीपतियों का बोलबाला है। यह पहली घटना नहीं है इसके पहले भी भाजपा से जुड़े हुए लोगों ने इस प्रकार की मारपीट की है और उसे पर कड़ी कार्यवाही नहीं हो पाई जिसके चलते हिंसा की सोच रखने वाले लोगों का हौसला बढ़ा है।

छिंद कांसा की सुंदर टोकरियों से संवरी जिंदगी

रिंकी यादव बनीं गांव की महिलाओं के लिए मिसाल

रायपुर। जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम टाटीडांड की रहने वाली रिंकी यादव आज सफलता की मिसाल बन चुकी हैं। पारंपरिक छिंद कांसे से बनी सुंदर टोकरियों को अपनी आजीविका का साधन बनाकर उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

रिंकी यादव पिछले 6 वर्षों से राज्य शासन की महत्वाकांक्षी 'बिहान' योजना के तहत संचालित राखी स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने पारंपरिक टोकरी निर्माण के कार्य को केवल घरेलू उपयोग से आगे बढ़ाकर इसे आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बना लिया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें इस कार्य को व्यावसायिक रूप देने का अवसर मिला। आज उनकी वार्षिक आमदनी समूह के माध्यम से लगभग एक लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। इसके अतिरिक्त, वे व्यक्तिगत स्तर पर भी छिंद कांसे की टोकरियाँ बनाकर 20 से 30 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। यह आमदनी उनके परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उनकी मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि अब वे अपने सपनों का पक्का घर भी बना रही हैं, जिसका निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इस सफलता के लिए रिंकी यादव ने छत्तीसगढ़ शासन और विशेष रूप से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। रिंकी यादव का कहना है कि स्व-सहायता समूह में जुड़ने के बाद उन्हें शासन की योजनाओं, प्रशिक्षणों और अवसरों की जानकारी मिली। इससे उनके जीवन में न केवल आत्मविश्वास का संचार हुआ बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सहभागिता बढ़ी। बिहान योजना से जुड़ने के बाद मेरे जीवन की दिशा ही बदल गई। आज मैं खुद को आत्मनिर्भर महसूस करती हूं और अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने का सपना भी साकार होते देख रही हूं।

मेडिकल छात्रो की फीस वापस हो : कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉक्टर राकेश गुप्ता ने छत्तीसगढ़ फीस नियामक आयोग के निजी मेडिकल कॉलेजो की प्रावधानों के विपरीत अतिरिक्त मदों में ली गई फीस की वापसी के फैसले का स्वागत किया है। पिछले कुछ समय से पालकों की तरफ से नियमित रूप से शिकायतें मिलती रही हैं लेकिन मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन कर रहे बच्चों की पढ़ाई में संभावित अहित के कारण कोई पालक आगे आकर शिकायत नहीं कर पाता है। अतिरिक्त फीस वसूली किए जाने की शिकायतें सही पाए जाने पर फीस नियामक आयोग के साहसी और पारदर्शी फैसले को कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने देश में अपनी तरह का पहला फैसला बताया है। भविष्य में अतिरिक्त फीस वसूली में रोक लगाए जाने के लिए बेहतर होगा कि छत्तीसगढ़ राज्य का चिकित्सा शिक्षा विभाग शिकायतों का तय समय पर निपटारा करके अपनी नैतिक जिम्मेदारी ठीक से निभाए, ताकि पालक और चिकित्सा छात्र मेडिकल कॉलेज की शिक्षा गुणवत्ता पर अपने सकारात्मक सुझाव दे सकें। डॉ. राकेश गुप्ता ने मांग किया है कि सरकार और चिकित्सा शिक्षा विभाग यह सुनिश्चित करे कि फीस नियामक आयोग के फैसले के अनुसार सभी बच्चों की अतिरिक्त फीस जो वसूली गयी है उसकी वापसी हो सके।

बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करने का अद्वितीय मंच-राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका दंतेवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान बस्तर पंडुम कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होने ऐतिहासिक कार्यक्रम "बस्तर पंडुम 2025, के आयोजन के लिए प्रशासन और विशेष रूप से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पहली बार हो रहा है और इसका मुख्य उद्देश्य बस्तर की जनजातीय पारंपरिक कला, नृत्य, जनजातीय व्यंजन, स्थानीय खाद्य पदार्थ और संस्कृति को संरक्षित करना है। इस कार्यक्रम में बस्तर के सात जिलों सहित असम, ओडिशा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश तेलंगाना राज्यों के लगभग 1200 कलाकार भाग ले रहे हैं। महोत्सव न केवल बस्तर की रीति लोक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया है, बल्कि स्थानीय लोक कलाकार को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अद्वितीय मंच भी प्रदान किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बस्तर का जनजातीय संस्कृति अपने अनोखी परंपरा, लोकगीत, नृत्य शैलियां और अपने हस्तशिल्प के लिए पूरे विश्व भर में जाना जाता है। यहाँ की प्रमुख जनजाति गोंड, मुरिया, मडिया हल्बा, धुरवा, दोरला आदि हैं। बस्तर के जनजातीय समुदाय के लोग पंडुम में मुख्य रूप से विभिन्न परम्पराओं, अनुष्ठानों का आयोजन करते हैं। ग्राम्य देवी -देवताओं की पूजा-अर्चना, लोक नृत्य, लोकगीत और संगीत, सामुदायिक भोज, शिकार, छोटे-छोटे मड़ई-मेला का आयोजन, प्रकृति, जंगल, नदियों का संरक्षण किया जाता है। बस्तर पंडुम हमारी संस्कृति का समीक्षा करने का मौका प्रदान कर रहा है। हम पूरी समर्पण के साथ अपनी विरासत की जड़ों से जुड़कर इसे एक नया आयाम देंगे।

आधुनिक जीवन शैली को स्वीकार करते हुए भी अपनी विरासत को बचाए रखना ही सही मायने में समाज को एक सूत्र में बांधना है। इस तरह के आयोजन से निश्चित रूप से बस्तर के आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को अखंड बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होने कहा कि बस्तर पंडुम केवल एक महोत्सव नहीं है, बल्कि यह जनजातीय जीवन का पूरा स्केच है। यह आयोजन हमें बताता है कि किस प्रकार हमारी संस्कृति, नृत्य, संगीत, वेशभूषा, नृत्य, संगीत, वेशभूषा, खानपान, आभूषण इत्यादि सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाए रखते हैं।

लोरमी में बही काव्य रस की अमृत धारा देश के प्रसिद्ध कवियों ने किया मंत्रमुग्ध

डिप्टी सीएम अरुण साव हास्य, श्रृंगार एवं वीर रस की कविता सुन श्रोताओं संग झूमें

शहर सत्ता/लोरमी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव लोरमी के थाना ग्राउंड में आयोजित अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने लोरमी के अपने परिवार जनों के साथ कवि सम्मेलन का आनंद लिया। इस सम्मेलन में देश के ख्याति प्राप्त कवियों ने हास्य, श्रृंगार एवं वीर रस से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कवि सम्मेलन में देश के जाने माने कवि शशिकांत यादव, अतुल ज्वाला, सुरेंद्र यादवेंद्र, डॉ वेदव्रत वाजपेई, रमेश विश्वहार, पद्मनी शर्मा, देवेंद्र परिहार ने शानदार काव्य पाठ किया, जिसे सुनने लोगों में गजब का उत्साह दिखा। वहीं उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस कवि सम्मेलन के लिए आयोजन समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

लोरमी में स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण

उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने नगर पालिका लोरमी के वार्ड 7 की गली में स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, स्ट्रीट लाइट लगने से सड़क दूधिया रोशनी से जगमग हो गई है। इससे पहले लोगों को अंधेरे में चलना पड़ता था।

श्री साव ने कहा कि, डबल इंजन सरकार में लोरमी नगर पालिका का चहुंमुखी विकास हो रहा है। सरकार लोगों की जनसुविधा पर विशेष ध्यान दे रही है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुजीत वर्मा, पार्षदगण, पार्टी के पदाधिकारी, देवतुल्य कार्यकर्ता एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे

एचएसआरपी नंबर प्लेट जल्द से जल्द लगवाने दिए निर्देश

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में अधिकारियों और कर्मचारियों की साप्ताहिक बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर में कर्मचारियों को लेकर कहा कि समय पर दफ्तर पहुंचे और बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम पर उपस्थिति दर्ज कराएं। गौरतलब है कि कलेक्टोरेट में बैयोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया है। जिसे एन्ड्रायड और आईओएस प्लेटफॉर्म वाले मोबाईल धारक अधिकारी/कर्मचारी फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं और की-पैड मोबाईल वाले कर्मचारी थंब इंप्रेशन लगा रहे हैं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जो एचएसआरपी नंबर प्लेट के लिए पात्र है वे जल्द से जल्द लगावें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार बिश्वरंजन सहित समस्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। अगर आपका वाहन अप्रैल 2019 से पुराना है और अभी तक उसमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (HSRP) नहीं लगी है, तो इसे तुरंत लगवा लें। राज्य सरकार ने सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया है। 1 अप्रैल 2025 से यातायात पुलिस इस नियम का सख्ती से पालन करवाएगी।

पीईटी. एवं पीपीएचटी. प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए पी.ई.टी. एवं पी.पी.एच.टी. की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 17 अप्रैल 2025 सायं 5 बजे तक है। प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 08 मई 2025 को राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी।

पीएटी. एवं पीव्हीपीटी. प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए पी.ए.टी. एवं पी.व्ही.पी.टी. की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 21 अप्रैल 2025 सायं 5 बजे तक है।

समौदा-निसदा डायवर्सन के निर्माणाधीन केनाल को जल्द पूरा करने के निर्देश

शहर सत्ता/रायपुर। राजीव समौदा-निसदा डायवर्सन योजना (फेस-2) के अंतर्गत निर्माणाधीन ट्रफ एवं डी.आर.बी. कार्य का मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) आर. पुराम ने आज स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन एक्वाडक्ट की गुणवत्ता की नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग उपकरण से जांच की तथा प्रयोगशाला परीक्षण हेतु सेम्पल नमूने लिए। यह परीक्षण रायपुर स्थित प्रयोगशाला में किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान श्री पुराम ने उक्त कार्य के संबंध में भू-अर्जन एवं वन स्वीकृति की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि कार्य में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्य तकनीकी परीक्षक ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 82 किलोमीटर लंबाई की मुख्य नहर का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे लगभग 28,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे कुल 120 गांवों को लाभ मिलेगा, जिनमें से 12 गांव आरंग ब्लॉक और 108 गांव बलौदाबाजार जिले के अंतर्गत आते हैं। यह नहर निसदा (आरंग) से प्रारंभ होकर ग्राम मुंडा (कसडोल) तक जाएगी।

राजीव समौदा-निसदा डायवर्सन योजना का मुख्य उद्देश्य महानदी मेन केनाल के जल को भाटापारा ब्रांच केनाल में डायवर्ट कर बलौदाबाजार एवं भाटापारा अंचल के गांवों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराना है। योजना की शुरुआत वर्ष 2005 में की गई थी, किंतु भू-अर्जन एवं वन स्वीकृति की प्रक्रिया में विलंब के कारण आज तक पूर्ण नहीं हो सकी है। श्री पुराम ने इस योजना को अटल सिंचाई योजना (जो वर्तमान में बजट में प्रावधानित है) के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कृषकों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि निरीक्षण की संपूर्ण रिपोर्ट संगठन द्वारा जारी की जाएगी, जिसका जवाब कार्यपालन अभियंता, द्वितीय चरण, रायपुर से 15 दिवस के भीतर प्राप्त किया जाएगा।

ई-कुबेर से कोषालय देयकों का पुनर्भुगतान 10 अप्रैल तक

शहर सत्ता/रायपुर। संचालनालय कोष एवं लेखा, छत्तीसगढ़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में ई-कुबेर प्रणाली के अंतर्गत असफल रहे संव्यवहारों (Failed Transactions) के पुनर्भुगतान 10 अप्रैल 2025 तक किया जा सकेगा। पूर्व में यह समय-सीमा केवल उन संव्यवहारों के लिए थी जो 31 मार्च को असफल हुए थे। अब संशोधन के तहत 31 मार्च तक के समस्त असफल लेन-देन इस व्यवस्था के अंतर्गत लाए गए हैं। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, इंद्रावती कोषालय रायपुर ने सभी संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संशोधित समय-सीमा में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आवश्यक कार्यवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

देश के प्रतिष्ठित कम्पनियों में युवा होंगे प्रशिक्षित

धमतरी। जिले में बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के की कवायद की जा रही है। इसके लिए केन्द्र

PM Internship LEARN FROM THE BEST

सरकार की प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत देश की प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे सेल, एनटीपीसी, पीजीसीआईएल, एसईसीएल, जिंदल, एचडीएफसी बैंक आदि में युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। योजना के तहत आवेदन के लिए आगामी 15 अप्रैल तक स्थानीय भोपाल राव पवार शासकीय पॉलिटेक्निक रूद्री (धमतरी) और जिले के विभिन्न आईटीआई संस्थानों में शिविर लगाया जा रहा है।

संस्था के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना ने बताया कि धमतरी जिले के युवाओं के लिए पंजीयन एवं आवेदन के लिए विशेष शिविर लगाया जा रहा है। इच्छुक युवा इस शिविर में उपस्थित होकर निःशुल्क पंजीयन एवं आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता की जानकारी देते हुए प्राचार्य ने बताया कि 21 से 24 वर्ष तक की आयु के दसवीं, बारहवीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक पास ऐसे विद्यार्थी, जो नियमित उच्च शिक्षा में पंजीकृत न हों और किसी किसी नियमित जॉब अथवा नियोजन में कार्यरत न हो तथा आवेदक के परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में न हो एवं वार्षिक आय 8 लाख से अधिक न हो पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना का मिला लाभ, 80 हजार छात्रवृत्ति से मिली बड़ी मदद

मजदुर की बेटी एम्स अस्पताल में चयनित होकर बनी नर्सिंग ऑफिसर

शहर सत्ता/रायपुर। अभनपुर में रहने वाली कु. हीरा साहू की, जिसके पिता मजदूरी कर घर चलाते थे लेकिन आज बात कुछ और ही। साहू परिवार के जीवन में एक बड़ा बदलाव तब आया जब उनकी बेटी ने अपनी पढ़ाई पूरी की और एम्स अस्पताल में नर्सिंग ऑफिसर के रूप में चयनित हुई। अभनपुर के ग्राम पलौद में रहने वाली कु. हीरा साहू के माता श्रीमती देवकुमारी साहू और पिता स्तीराम साहू रोजी-मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते थे। सीमित आय होने की वजह से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता था। खासकर जब बात बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य की आती थी तो दोनों चिंतित हो उठते थे।

कुमारी हीरा साहू बताती है कि मेरे माता-पिता ने अपने अथक प्रयासों से मुझे बीएससी नर्सिंग में दाखिला दिलाया लेकिन उन्हें कॉलेज फीस चिंता सताती रही। इस बात को लेकर जब मेरे माता-पिता जिला श्रम कार्यालय गए तो उन्हें बताया गया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीयन सदस्यों के लिए मुख्यमंत्री नोनू बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना संचालित है। इस योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों के प्रथम दो बच्चों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति स्वरूप सहायता राशि प्रदान की जाती है।

मेरी माता ने अपना पंजीयन कराया और मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत लगातार दो वर्षों तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मेरे द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत दोनों आवेदनों पर श्रम विभाग की ओर से प्रथम वर्ष 36,000 रुपए और द्वितीय वर्ष 44069 रूपए की छात्रवृत्ति सहायता प्रदान की गई।

श्रम विभाग की ओर से प्राप्त छात्रवृत्ति सहायता राशि से मेरी और मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली और मैं निश्चिंत होकर, मन लगाकर अपनी पढ़ाई पूरी की। नर्सिंग कोर्स पूरा करने के बाद मैं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर (एम्स) द्वारा जारी नर्सिंग ऑफिसर के पद पर के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, मैं चयनित हुई और वर्तमान में एम्स में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदस्थ हूं। श्रम विभाग की योजना से लाभान्वित होकर मैंने अपने और परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया। अपने माता-पिता और समाज का नाम रोशन किया तथा आत्मनिर्भर हुई। श्रम विभाग द्वारा श्रमिक हितों के लिए संचालित विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं से श्रमिक वर्ग में हर्ष व्याप्त है। मैं प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

निर्देशक बलवंत राव की नजर में छॉलीवुड बनाम छोटी इंडस्ट्री, बड़ा शोर

मीना खेड़ा जैसे छोटे गांव और चौकीदार पिता के बेटे बलवंत ने बेहद सीमित संसाधनों में फिल्म निर्माण सीखा

शहर सत्ता/रायपुर। इंदौर के बलवंत राव, मीना खेड़ा जैसे छोटे गांव से निकलकर भारतीय सिनेमा में एक नया नाम बनकर उभरे हैं। चौकीदार पिता और गृहिणी मां के बेटे बलवंत ने बेहद सीमित संसाधनों में फिल्म निर्माण सीखा। उन्होंने 150+ डॉक्युमेंट्री, 50+ विज्ञापन, 10 कॉर्पोरेट फिल्में और एक टीवी सीरियल में योगदान दिया है। 24 साल की उम्र में उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म "लागे हे मौला तोर लगन " का निर्देशन किया, जिसे मात्र 14 दिनों में शूट किया गया। हमारे संवादाता से चर्चा के दौरान बताया की छॉलीवुड छोटी इंडस्ट्री, बड़ा शोर है

कम संसाधनों में बड़ा सपना

छॉलीवुड के कई युवा डायरेक्टर और कलाकार सीमित साधनों में भी नई कहानियों को कहने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जब कंट्रोवर्सी हावी हो जाती है, तो क्रिएटिविटी पीछे छूट जाती है।

सिनेमा को सिनेमा रहने दें

इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों का कहना है कि विवादों की बजाय चर्चा होनी चाहिए कहानी की, कलाकारों की मेहनत की और उस सपने की जो हर पर्दे के पीछे पलता है। नतीजा साफ है—इंडस्ट्री छोटी सही, पर आवाज़ बड़ी हो सकती है...बशर्ते वो सही दिशा में हो।

क्रिएटिविटी से ज़्यादा कंट्रोवर्सी

रायपुर। छत्तीसगढ़ी सिनेमा यानी 'छॉलीवुड'—एक ऐसी इंडस्ट्री जो अब भी विकास के मोड़ पर खड़ी है, लेकिन उसकी चर्चा फिल्मों से ज़्यादा विवादों से होने लगी है। जहां सीमित बजट, सीमित संसाधनों के बीच कुछ फिल्मकार कहानी, संस्कृति और सिनेमा को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर फिल्म से पहले नाम पर बहस शुरू हो जाती है।

कंट्रोवर्सी बनी प्रमोशन का ज़रिया?

बीते कुछ समय में देखा गया है कि कई फिल्मों को लेकर विवाद ने ऐसी हवा बनाई कि फिल्म से पहले ही दर्शकों की राय बंट गई। नतीजा ये कि असली मुद्दा फिल्म की कहानी, अभिनय या निर्देशन—बातों के शोर में कहीं खो जाता है।

'मया बिना रहे नई जाए' ने कंट्रोवर्सी के बीच चुपचाप किया पर्दापण, ना हंगामा, ना नुकसान

फिल्म रिलीज हो गई... और बातें वहीं की वहीं रह गईं

शहर सत्ता/रायपुर। साल भर से चर्चा में रही छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मया बिना रहे नई जाए' आखिरकार रिलीज हो गई। जिस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक बहस छिड़ी हुई थी, वो सादगी से सिनेमाघरों तक पहुंच गई। न कोई विरोध प्रदर्शन, न कोई अड़चन—सिर्फ फिल्म और दर्शक। फिल्म की ओपनिंग उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही, लेकिन इसे सीधे तौर पर कंट्रोवर्सी से जोड़ना शायद जल्दबाज़ी होगी। इस साल कई नामी सितारों की फिल्में भी बमुश्किल दर्शक खींच पाई हैं।

विवाद के दो धड़े, लेकिन दर्शक मौन

इंडस्ट्री के भीतर जरूर दो स्पष्ट मत बन गए थे—एक पक्ष ने फिल्म का समर्थन किया, तो दूसरा खुलकर विरोध में उतर आया। किसी ने सोशल मीडिया पर बयान दिए, तो किसी ने चुप्पी को हथियार बनाया। मगर दर्शकों ने फिलहाल किसी भी पक्ष में खड़े होने से इनकार कर दिया। दर्शक आये और भाई-बहन अभिनिटी इस फिल्म को बिना शोरगुल के देखे और चले गए।

सिनेमाघर की सुरक्षा रही मुस्तैद

विवाद को देखते हुए थिएटर मालिकों ने पहले से सुरक्षा के इंतज़ाम कर रखे थे। लेकिन पहले शो से लेकर अब तक कोई अप्रिय सूचना सामने नहीं आई है। माहौल शांत रहा, और फिल्म अपनी रफ्तार से चल रही है।

इंडस्ट्री बोली फिल्म को फिल्म रहने दीजिए

फिल्म के प्रीमियर में कई दिग्गज चेहरे नज़र आए। उनका यही कहना था कि सिनेमा का अपना एक संसार होता है, उसे निजी रिश्तों या व्यक्तिगत मुद्दों से जोड़ना ठीक नहीं।

ओपनिंग धीमी, लेकिन उम्मीद कायम

फिल्म के निर्माता जरूर सोच में होंगे कि क्या कंट्रोवर्सी ने फिल्म को नुकसान पहुंचाया। लेकिन फिल्म जानकारों का मानना है कि कंट्रोवर्सी से न तो फायदा होता है, न नुकसान—सब कुछ तय करता है दर्शकों का मूड। सो, फिल्म रिलीज हो चुकी है, विवाद पीछे छूट चुके हैं और अब फैसला जनता के हाथ में है। "कभी तालियां मिलती हैं, कभी ताने... लेकिन परदा हमेशा खामोश नहीं रहता। जब लाइट्स ऑन होती हैं, हम बस अपना किरदार निभाते हैं। जो कहना है, वो फिल्म कह देती है।"

फ़िल्म समीक्षा

मया बिना रहे नई जाए

मासूमियत भरी मोहब्बत की नई परिभाषा

करण-किरण की चर्चित जोड़ी को पहली बार बड़े पर्दे पर देखने का मौका इस फिल्म ने दिया है। कहानी सीधी-सादी, लेकिन दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी है। जहां किशन अपने बड़े भाई के लिए लड़की देखने जाता है और खुद ही किरण पर दिल हार बैठता है। किशन खुद को 'करण' बताकर किरण से फोन पर बातें करने लगता है, और यहीं से शुरू होती है बिना देखे, बिना मिले प्यार की एक मासूम सी दास्तान।

निर्देशक दीपक कुर्रे का यह पहला प्रयास है, लेकिन स्क्रीनप्ले और इमोशनल सीन अच्छे से गढ़े गए हैं। टाइटल सॉन्ग और "मया हो गए रे" पहले से ही दर्शकों के बीच पॉपुलर हैं। अभिनय की बात करें तो करण और किरण ने ठीक-ठाक परफॉर्म किया है, वहीं भूपेश लिलहरे और साइड एक्टर्स ने अच्छा सपोर्ट दिया कुछ कमज़ोरियाँ भी हैं; जैसे हीरो की कम उम्र स्क्रीन पर साफ़ झलकती है और कुछ तकनिकी खामियाँ भी नज़र आती हैं। फिर भी फिल्म का इमोशन और सादगी इसे एक बार देखने लायक बनाते हैं। दर्शकों को फिल्म पैसा वसूल लग रही है।

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

काम चवन्नी का नहीं, सिर्फ फोटो सेशन

फिल्म विकास निगम सीधे तौर पर कोई नियम और शर्तें जारी नहीं करता है। अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में भी क्षेत्रीय भाषा, बोली, संस्कार, पर्यटन, परिधान, पारम्परिक गहनों और इतिहास को संजोने का कार्य छॉलीवुड की फ़िल्में करती आई हैं। फ़िलहाल आमिर धरती के गरीब लोगों की धरती कहलाने वाले छत्तीसगढ़ में संपन्नता तो है लेकिन अब भी यहाँ फिल्म निति जैसा दूर है। ऐसे में एक बार फिर फिल्म विकास निगम को लेकर राज्य सरकार और इसके लिए परवर्ती शासनकाल में जुबानी खेती करने वाले कई स्थापित छॉलीवुड कलाकार, पद्मश्री से नवाजे जा चुके कलाकार और फिल्म लाइन से ही विधायक तक का सफर करने वाले रामानुज(अनुज)शर्मा समेत दिग्गज कलाकार रहस्यमय मौन धारण किये हैं। शहर सत्ता के कला समीक्षक पुरन किरी ने अभिनेताओं के नेता टाइप और कामयाबी का मुकाम हासिल कर चुके निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और फिल्म निर्माताओं से जब फिल्म विकास निगम के विषय पर सवाल का जवाब मांगा तो उनकी घिघयाती आवाज औरऑन रिकॉर्ड कुछ नहीं बोल पाने की मज़बूरी से लगा छॉलीवुड के लिए दिल्ली अभी भी दूर है। शहर सत्ता के आज के अंक में हम कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कर रहे हैं। जब इन्हीं लोगों का फिल्म विकास निगम को लेकर शोशेबाजी और बोलते मुंह नहीं थकता था।

बस्तर है अद्भूत प्राकृतिक सौंदर्य का संगम

छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला अपनी नैसर्गिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है। बस्तर में स्थित जलप्रपात, प्राचीन गुफाएँ, महल और घने जंगल न केवल प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करते हैं, बल्कि रोमांच और आध्यात्मिक यात्रा के इच्छुक पर्यटकों के लिए भी विशेष स्थान रखते हैं। बस्तर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों — जैसे कोटमसर गुफा, चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, बस्तर पैलेस आदि — की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही है। इसमें आपको इन स्थलों का इतिहास, विशेषताएँ, वहाँ पहुँचने के साधन, उपलब्ध सुविधाएँ और इनके महत्व के बारे में जानकारी दी गई है।

चित्रकोट जलप्रपात भारत का नियाग्रा

बस्तर जिले में स्थित चित्रकोट जलप्रपात भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात है, जिसे "भारत का नियाग्रा फॉल" भी कहा जाता है। यह जलप्रपात इंद्रावती नदी पर स्थित है और अपनी विशाल जलधारा व प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। वर्षा ऋतु में इसकी जलधारा और भी भव्य हो जाती है, और दुधिया जलप्रवाह के बीच इंद्रधनुष का दृश्य उत्पन्न होता है, जो देखने योग्य होता है।

विशेषताएँ

- 29 मीटर ऊंचाई
- 300 मीटर चौड़ाई
- मानसून: जुलाई से अक्टूबर (जलप्रपात का पूर्ण रुप)
- सर्दी नवंबर से फरवरी (शांत रूप)

प्राकृतिक सौंदर्य : चारों ओर घने जंगल और हरी-भरी घाटियां इसे एक रमणीय स्थल बनाती हैं। पर्यटक बोटिंग के जरिए जलप्रपात को नजदीक से देख सकते हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व : यहाँ आसपास के प्राकृतिक मंदिर और गुफाएँ।

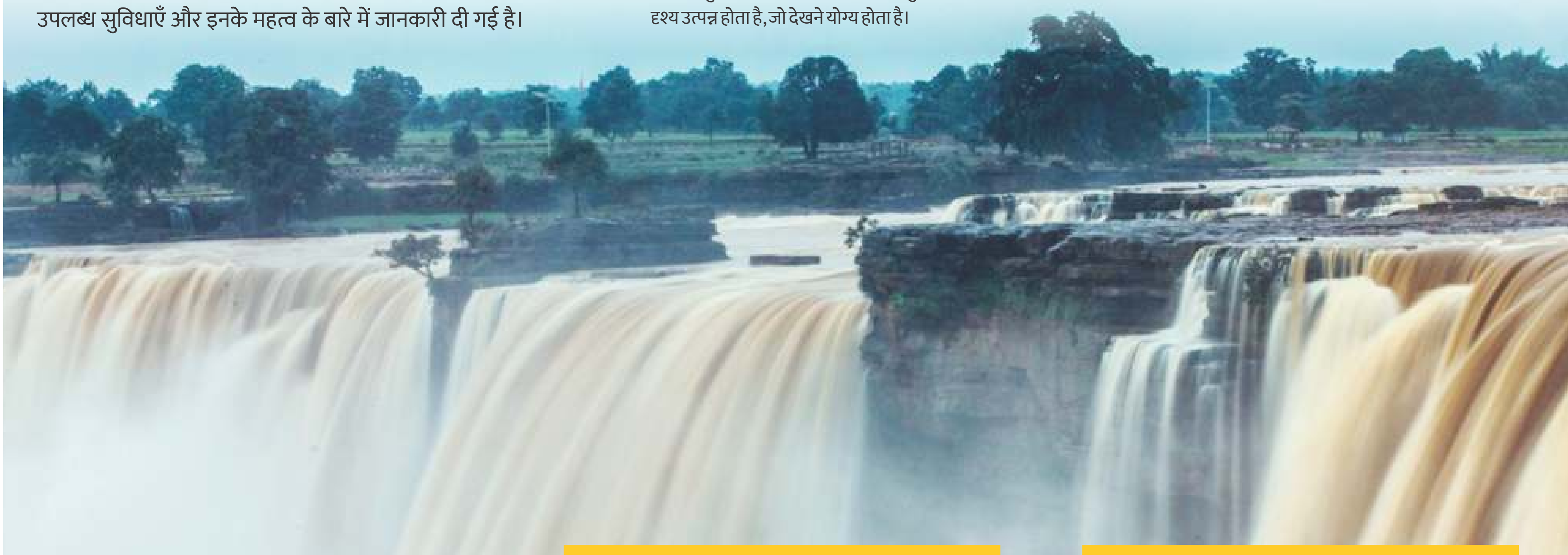

तीरथगढ़ जलप्रपात

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात, राज्य के सबसे सुंदर और लोकप्रिय जलप्रपातों में से एक है। यह कांगेर नदी पर स्थित है और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है। यह जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता, दूधिया जलधारा और वातावरण के कारण पर्यटकों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है।

विशेषताएँ

ऊँचाई: 91 मीटर (299 फीट)

बनावट: यह एक बहु-स्तरीय कैस्केडिंग जलप्रपात है, जिसमें पानी कई चरणों में गिरता है।

जलधारा: यह सफेद दूधिया धारा के रूप में गिरता है, जो इसे "छत्तीसगढ़ का मिल्की वॉटरफॉल" बनाता है।

प्राकृतिक सौंदर्य: चारों ओर घने साल, साज और बाँस के जंगल हैं, जो अद्भुत प्राकृतिक दृश्य प्रस्तुत करते हैं। यह क्षेत्र वन्यजीवों, तितलियों और पक्षियों का भी आश्रय स्थल है, जिससे यह बड़े समूहों के लिए एक आदर्श स्थान बनता है। शांत वातावरण इसे प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए विशेष बनाता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व: स्थानीय लोग इसे धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानते हैं, और पास ही स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की जाती है।

कुटुमसर गुफा

"कोटमसर गुफा, जिसे कुटुमसर गुफा भी कहा जाता है, छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित है और यह एशिया की सबसे लंबी प्राकृतिक गुफाओं में से एक मानी जाती है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के भीतर स्थित इस गुफा को इसकी अद्वितीय भूगर्भीय संरचना, रहस्यमयी वातावरण और प्राकृतिक चूना पत्थर की आकृतियों के लिए जाना जाता है। यह गुफा भारत की सबसे प्राचीन और रोमांचक गुफाओं में से एक है।"

गुफा की संरचना और लंबाई

कोटमसर गुफा की लंबाई लगभग 1370 मीटर है, जो इसे एशिया की सबसे लंबी गुफाओं में से एक बनाता है।

कैलाश गुफा

बस्तर घने जंगलों, सर्पिन घाटियों, नदियों, के साथ एक रहस्यमय भूमि है। कैंगेर वैली नेशनल पार्क में तीन असाधारण गुफाएं हैं, कैलाश गुफा इस क्षेत्र की सबसे पुरानी गुफा है। इस गुफा की खोज 22 मार्च 199 3 में की गयी | बस्तर के भूमिगत गुफाओं में कैलाश गुफा में सबसे शुरुआती चूना पत्थर के गठन हैं जो बहुत आकर्षक हैं। इस गुफा की ज्ञात लंबाई 120 फीट की गहराई के साथ 1000 फीट है। लुभावनी चूना पत्थर संरचनाओं के कारण समान रूप से शिवलिंग – गुफा के अंदर स्टैलेक्टसाइट्स और स्टालाग्माइट्स इसे कैलाश की प्रतिकृति देते हैं। इन ड्रिपस्टोन संरचनाओं को स्थानीय लोगों द्वारा पूजा भी की जाती है। कुटुम्बसर और दंडक गुफाएं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अन्य आकर्षण हैं। गाइड, टॉर्च पर्यटकों के लिए उपलब्ध हैं। मानसून के दौरान, कैलाश गुफा बंद हो जाती है और हर साल 16 अक्टूबर से 15 जून तक फिर से खोल दी जाती है। अब, जिप्सी सफारी भी अन्य जगहों की सुंदरता का पता लगाने के लिए पर्यटकों के लिए उपलब्ध है|

चित्रधारा जलप्रपात

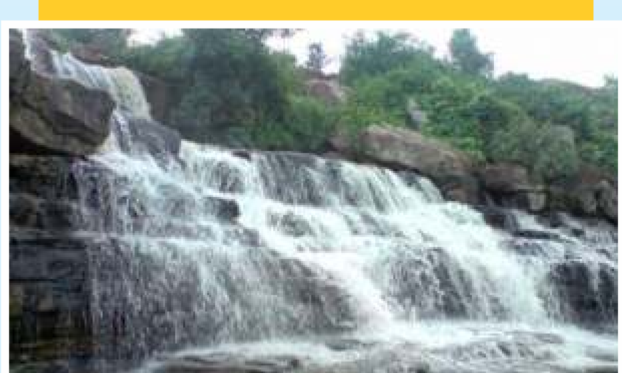

चित्रधारा जलप्रपात, छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित एक शांत और खूबसूरत जलप्रपात है, जो अपनी हरियाली, विशिष्ट संरचना और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह जलप्रपात जगदलपुर से लगभग 10 किमी की दूरी पर स्थित है और स्थानीय पर्यटकों के लिए एक आदर्श पिकनिक स्थल भी है।

विशेषताएँ

ऊँचाई: अपेक्षाकृत कम है, लेकिन छोटे-छोटे धाराओं की श्रृंखला इसे अद्वितीय बनाती है।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

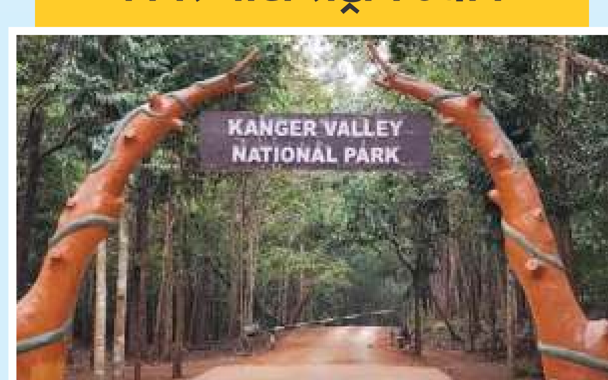

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित है। यह राज्य के सबसे समृद्ध जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक है। 1982 में स्थापित यह उद्यान लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और अपनी गहरी घाटियों, घने जंगलों, गुफाओं, जलप्रपातों और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध वनस्पति, चूना पत्थर की गुफाओं और पहाड़ियों के कारण एक प्राकृतिक चमत्कार है। यहाँ के जंगल मुख्यतः साल, सरई, सागौन और अन्य मिश्रित वृक्षों से आच्छादित हैं।

कम नहीं होना चाहिए नक्सल अभियान का मोमेंटम : शाह

विशेष संवाददाता/विकास यादव
मोबाईल नंबर 9425528000

शहर सत्ता/रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा से लौटते ही रायपुर में नक्सल मोर्चे को लेकर बैठक की। उन्होंने नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इसमें और तेजी आएगी। शाह ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान का मोमेंटम कम नहीं होना चाहिए। बस्तर में शांति स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता है। हमारे जवान लगातार बहादुरी से काम कर रहे हैं। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समूल नाश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। नक्सलवाद के कारण कई पीढ़ियां बर्बाद हो गई हैं।

नक्सलवाद फिर से जड़ न जमा पाए इसलिए इसका समूल नाश आवश्यक है। नक्सलियों के खिलाफ जारी लड़ाई को बिखरने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि एक राज्य से दूसरे राज्य में भाग रहे नक्सलियों को पकड़ने के लिए राज्य पुलिस और केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ में समन्वय और बेहतर होना चाहिए। उन्होंने 'नियद नेल्लानार' को सुरक्षा बलों के शिविरों के 5 किलोमीटर के दायरे से बढ़ाकर 10 किलोमीटर करने को कहा है। इस बैठक में सीएम साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, आईबी डायरेक्टर समेत वरिष्ठ अफसर मौजूद थे।

हर नक्सल मुक्त गांव को मिलेगी 1 करोड़ की विकास निधि

केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की कि जो गांव नक्सलियों के आत्मसमर्पण में सहयोग करेंगे, उन्हें "नक्सली मुक्त गांव" घोषित कर 1 करोड़ रुपये की विकास निधि दी जाएगी। उन्होंने अपील की कि ग्राम सभा कर गांवों को सरेंडर की प्रक्रिया में आगे लाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब तेंदूपत्ता 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से सीधे सरकार खरीद रही है, और राशि सीधे आदिवासियों के खाते में जा रही है। इससे लाल आतंक से जुड़े लोगों का नियंत्रण समाप्त होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि जो नक्सली हथियार छोड़ देंगे, उन्हें पूरी सुरक्षा और सम्मान के साथ मुख्यधारा में लाया जाएगा। लेकिन जो हथियार नहीं डालेंगे, उनके विरुद्ध सुरक्षाबल कड़ी कार्रवाई करेगी।

बस्तर से सब-इंस्पेक्टर और कांकेर से कलेक्टर बनेंगे : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि असली विकास तब होगा जब बस्तर से डॉक्टर, कलेक्टर, बैरिस्टर और प्रशासनिक अधिकारी निकलेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि अब बस्तर को हथियार नहीं, कलम और कंप्यूटर की शक्ति से आगे ले जाना है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार एक आदिवासी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज को ऐतिहासिक सम्मान देने का कार्य हमारी सरकार में किया गया है।

सीएम साय बोले- जल्द लौटेंगे बस्तर के सुनहरे दिन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर अब बदल रहा है, और यह बदलाव स्थायी होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर के लोग अब नक्सलवाद से मुक्ति चाहते हैं और विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन इस जनभावना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल के जवानों की मजबूत कार्रवाई के कारण निरंतर सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा जताई कि मां दंतेश्वरी की कृपा से यह संकल्प अवश्य पूरा होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि 100 से अधिक गांवों में सुरक्षा कैंप खोले जा चुके हैं। इन कैंपों के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, और स्कूल-अस्पताल जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जहां पहले गोलियों की आवाज आती थी, अब वहां स्कूल की घंटी बज रही है।

भाजपा नक्सलियों के साथ या बस्तर के लोगों के साथ : कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों को भाई और अपना बताकर नक्सलियों से लोहा ले रहे हमारे जवानों के हौसला को तोड़ने काम किया है नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए हमारे जवानों एवं नक्सली हमले में मारे गए हमारे निर्दोष नागरिकों, झीरम घाटी कांड में शहीद कांग्रेस के नेताओं का अपमान किया है। अमित शाह का संबोधन बेहद ही निंदनीय और आपत्तिजनक है । भाजपा नेताओं के इस प्रकार के बयान से ही हिंसा करने वाले आतंक फैलाने वाले दहशतगर्दी करने वालों को बल मिलता है। अमित शाह एवं भाजपा को इस प्रकार के नक्सलियों को भाई बताने वाले संबोधन के लिए शहीद जवानों के परिजनों एवं प्रदेश के नागरिकों से माफी मांगना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चैत्र नवरात्रि की अष्टमी पूजा की।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-22683361, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।